मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 27 सितंबर 2025

संवत 2082, आश्विन शुक्ल पक्ष 6 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 22 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ शारदीय नवरात्रि का धार्मिक,वैज्ञानिक और सामाजिक महत्व

चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहती हैं सबा ◂◂ 6

शारदीय नवरात्रः पांचवां दिन मां स्कंदमाता

नवरात्र के पांचवें दिन मां दुर्गा के पंचम स्वरुप मां स्कंदमाता की उपासना की जाती है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम दिया गया है। भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं।

मां स्कंदमाता का मंत्र

मां स्कंदमाता का वाहन सिंह है। इस मंत्र के उच्चारण के साथ मां की आराधना की जाती है।

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥
ॐ देवी स्कन्दमातायै नमः॥

अविनाश कुमार या वंदना दादेल कौन होंगे झारखंड के अगले मुख्य सचिव

अलका तिवारी 30 सितंबर को हो रही हैं रिटायर

संवाददाता

रांचीः झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी 30 सितंबर 2025 को रिटायर हो रही है। शनिवार से गुरुवार तक सचिवालय में अवकाश रहेगा। ऐसे में शुक्रवार को उनका अंतिम कार्यदिवस था। सरकार ने अब तक नए मुख्य सचिव पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। मंगलवार तक फैसला आने की उम्मीद है।

मुख्य सचिव की रेस में राज्य के दो वरीय आईएएस अधिकारी शामिल है। 1996 बैच की आईएएस अधिकारी कैबिनेट सचिवालय व गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल और 1993 बैच के वरीय आईएएस अधिकारी मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार सबसे आगे है। अलका तिवारी को छोड़कर झारखंड कैडर में कुल छह आईएएस अधिकारी मुख्य सचिव रैंक में हैं। इनमें तीन अधिकारी 1991 बैच के आईएएस अधिकारी शैलेश कुमार सिंह, 1992 बैच की निधि खरे और सत्येंद्र सिंह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। सीएस बनने के लिए इन तीनों के झारखंड आने की अब कोई संभावना नहीं है। राज्य में अभी सीएस रैंक में अविनाश कुमार, अजय कुमार सिंह और नीतिन मदन कुलकर्णी हैं। बहरहाल राज्य में तैनात अफसरों में से ही किसी अधिकारी के अगले मुख्य सचिव बनने की संभावना है। वर्तमान परिस्थिति में अविनाश कुमार और वंदना दादेल में से किसी एक के मुख्य सचिव बनने की सबसे अधिक उम्मीद है। वैसे वंदना दादेल अभी मुख्य सचिप रैंक की अधिकारी नहीं है। वे एक जनवरी 2026 से सीएस रैंक में आएंगी। लेकिन प्रावधान और परंपरा के आधार पर प्रधान सचिव रैंक के किसी अधिकारी को तीन माह के लिए प्रभारी मुख्य सचिव बनाया जा सकता है। इसके आधार पर वंदना दादले को अक्टूबर से दिसंबर तक की अवधि के लिए प्रभारी मुख्य सचिव बनाया जा सकता है। फिर सीएस रैंक में आ जाने के बाद ये नियमित सीएस हो सकती हैं। इस बात की एक संभावना है, लेकिन वरीयता के आधार पर देखे तो मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार के मुख्य सचिव बनने की संभावना कहीं ज्यादा दिखाई दे रही है।

सरकार ला रही है नया प्रस्ताव

अब एक साल नहीं, 2 साल का होगा संसदीय समितियों का कार्यकाल

नई दिल्ली : संसद के कामकाज को और प्रभावी बनाने के लिए एक बड़े सुधार की तैयारी चल रही है। सूत्रों के अनुसार, संसदीय स्थायी समितियों का कार्यकाल एक साल से बढ़ाकर दो साल किया जा सकता है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य समितियों को विधेयकों, रिपोर्टों और नीतिगत मामलों की गहराई से जांच करने के लिए अधिक समय और निरंतरता प्रदान करना है।

मौजूदा समितियों का कार्यकाल 26 सितंबर को समाप्त हो गया है और अब नए पुनर्गठन में इस नियम को लागू किए जाने की संभावना है।

अभी तक इन समितियों का हर साल पुनर्गठन किया जाता है। विपक्ष समेत कई सांसदों का मानना है कि एक साल का कार्यकाल किसी भी विषय के गहन अध्ययन के लिए अपर्याप्त होता है। कार्यकाल बढ़ाए जाने से समितियां अधिक फोकस और विशेषज्ञता के साथ काम कर सकेंगी। ये समितियां संसद सत्र न होने पर भी मिनी संसद की तरह काम करती हैं और सांसदों को नीतिगत मामलों की विस्तृत जांच का अवसर देती हैं।

इस प्रस्ताव का एक महत्वपूर्ण राजनीतिक पहलू भी है। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर वर्तमान में विदेश मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष हैं। यदि समितियों का कार्यकाल दो साल का कर दिया जाता है, तो वे पार्टी से अपने कथित मतभेदों के बावजूद इस महत्वपूर्ण पद पर दो साल और बने रह सकते हैं।

क्या होती हैं स्थायी समितियां? : संसदीय स्थायी समितियां संसद की स्थायी इकाइयां होती हैं, जिनमें लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदनों के सांसद शामिल होते हैं। ये समितियां मुख्य रूप से विधेयकों की विस्तृत जांच, सरकारी नीतियों की समीक्षा, बजट आवंटन की पड़ताल और संबंधित मंत्रालयों को जवाबदेह ठहराने का महत्वपूर्ण कार्य करती हैं। सूत्रों का कहना है कि समितियों के अध्यक्षों में बड़े बदलाव की संभावना कम है, लेकिन नए सदस्यों की नियुक्ति दो साल के कार्यकाल के लिए हो सकती है, जिससे समितियों के काम में स्थिरता आएगी।

भीषण सड़क हादसा

डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार थार, पांच युवकों की मौत

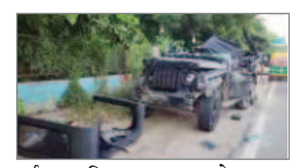

गरुग्रामः हरियाणा के गुरुग्राम में शनिवार तड़के तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। यहां नेशनल हाईवे-48 पर एक तेज रफ्तार थार अचानक डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं, एक अन्य शख्स गंभीर रूप से घायल है। हादसा शनिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे हुआ है। जानकारी के अनुसार थार में सवार युवक यूपी के रहने वाले थे जो किसी काम के चलते गुरुग्राम आए थे। जैसे ही उनकी गाड़ी राजीव चौक की तरफ जाने के लिए हाईवे के एग्जिट 9 से उतरी, वैसे ही तेज रफ्तार के कारण थार अनकंट्रोल हो गई और डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी की मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई।

PR- 362883 (Tourism,Art Culture And Youth Affairs)25-26

पूरे भारत में एक साथ शुरू हुई बीएसएनएल की 4जी सर्विस, पीएम मोदी ने ओडिशा से किया शुभारंभ

प्रधानमंत्री ने ओडिशा को 60,000 करोड़ की महासौगात, - कनेक्टिविटी-शिक्षा को नया आयाम

झारसुगुड़ाः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम स्थल से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की अनेक विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। ये परियोजनाएं दूरसंचार, रेलवे, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, ग्रामीण आवास आदि क्षेत्रों से संबंधित हैं। कार्यक्रम में ओडिश के राज्यपाल हरि बाबू कमभमपति, मुख्य मंत्री मोहन चरण माझी, आदिवासी मामलों के केन्द्रीय मंती जुआल ओरांव और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। पीएम मोदी ने दूरसंचार नेटवर्क में भारत की उन्नत प्रौद्योगिकी विकास क्षमता की घोषणा करने वाली स्वदेशी तकनीक से निर्मित और देश के विभिन्न क्षेत्रों में लगाए गए 97,500 से अधिक मोबाइल 4जी टावरों का उद्घाटन किया। इस परियोजना की लागत लगभग 37,000 करोड़ रुपए है। इनमें बीएसएनएल द्वारा स्थापित 92,600 से अधिक 4जी तकनीक वाले स्थल शामिल हैं और इनका वित्तपोषण डिजिटल भारत निधि के तहत किया गया है।

ये टावर 18,900 से अधिक 4जी साइटों पर लगाए गए हैं और इनसे दूरस्थ, सीमावर्ती और वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों के लगभग 26,700 संपर्कविहीन गांवों को 4जी नेटवर्क सेवा संपर्क से जोड़ा गया है। सरकार का कहना है कि इससे और 20 लाख से अधिक नए ग्राहकों को सेवा प्रदान की जा सकेगी। ये टावर सौर ऊर्जा से संचालित हैं, जिससे ये भारत के सबसे बड़े हरित दूरसंचार स्थलों का समूह बन गए हैं और यह टिकाऊ बुनियादी ढांचे की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएम मोदी ने इसके अलावा यहीं से कुछ महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं का शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित किया। इनमें संबलपुर-सरला में रेल फ्लाईओवर का शिलान्यास, कोरापुट-बैगुडा लाइन के दोहरीकरण और मनाबार-कोरापुट-गोरपुर लाइन का राष्ट्र को समर्पण शामिल है।

प्रधानमंत्री ने बरहामपुर और उधना (सूरत) के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखा कर इस रेल सेवा का शुभारंभ किया । उन्होंने लगभग 11,000 करोड़ रुपये के निवेश से आठ आईआईटी–तिरुपति, पलक्कड़, भिलाई, जम्मू, धारवाड़, जोधपुर, पटना और इंदौर–के विस्तार के लिए रिमोट कंट्रोल दबाकर आधारशिला का अनावरण किया। इससे अगले चार वर्षों में 10,000 नए छात्रों की क्षमता का सृजन होगा। इस परियोजना में आठ अत्याधुनिक अनुसंधान पार्क स्थापित होंगे और देश में नवाचार का पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत होगा और अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा मिलेगा।

पीएम मोदी ने इस अवसर पर देश भर के 275 राजकीय इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक संस्थानों में गुणवत्ता, न्यायसंगतता, अनुसंधान और नवाचार में सुधार के लिए बनाई गई मेरिट योजना का भी शुभारंभ किया। उन्होंने ओडिशा कौशल विकास परियोजना के दूसरे चरण का भी शिलान्यास किया जिसके तहत संबलपुर और बरहामपुर में विश्व कौशल केंद्र स्थापित किए जाएँगे, जो कृषि प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, खुदरा, समुद्री और आतिथ्य जैसे उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित होंगे। इसके अलावा पीएम मोदी ने पांच आईटीआई को उत्कर्ष आईटीआई के उन्नत की योजना का भी शुभारंभ किया तथा 25 आईटीआई को उत्कृष्टता केंद्रों के रूप में विकसित करने का काम भी प्रारंभ हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने ओडिशा में में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 130 उच्च शिक्षा संस्थानों में वाई-फाई सुविधाओं का भी लोकार्पण किया जिससे 2.5 लाख से अधिक छात्रों को प्रतिदिन मुफ्त डेटा सुविधा मिलने लगी है। प्रधानमंत्री ने बरहामपुर स्थित एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज और संभलपुर स्थित वीआईएमएसएआर को विश्वस्तरीय सुपर-स्पेशलिटी अस्पतालों में उन्नत करने की आधारशिला भी रखी। उन्होंने अंत्योदय गृह योजना के तहत 50,000 लाभार्थियों को स्वीकृति आदेश वितरित किए।

न्यूज IN ब्रीफ

सिल्ली मेन रोड बाजार को अतिक्रमण मुक्त बनाने की पहल

मुरी: सिल्ली पुलिस ने सिल्ली मेन रोड बाजार को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए गश्त लगाई। अतिक्रमण किए दुकानदार को हिदायत दी गई स्वेच्छा से जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाए अन्यथा पुलिस अपना काम करेगी। सिल्ली में जितनी भी दुकान, बाजार है सिल्ली प्रखंड अंचलाधिकारी के साथ पैदल चलकर दुकानदार को अतिक्रमण मुक्त के लिए आदेश दिया। सिल्ली काली मंदिर से पुराना बुण्डु रोड तक गए।स्थानीय प्रशासन ने सिल्ली बजार में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया । सिल्ली बाजार के काली मंदिर चौक से ग्राम विकास स्कूल तक करीब एक किलोमीटर क्षेत्र में अभियान चला। टीम ने छोटे बड़े दुकानदारों को सड़क, नालों और फुटपाथों से अवैध कब्जे हटाने का निर्देश दिया। वहीं ठेले खोमचे वालों को मुख्य सड़क से दुरी बना कर ठेले लगाने की हिदायत दी। अंचलाधिकारी ने कहा कि सिल्ली मेन रोड पर अतिक्रमण के कारण जाम की समस्या रहती है। इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इधर दुर्गा पूजा को देखते हुए लोगों को अतिक्रमण हटा लेने का आदेश दिया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि स्थानीय ग्रामीण कई बार पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों से जाम से निजात दिलाने की मांग कर चुके हैं। उन्होंने दुकानदारों को सड़क किनारे बने नाले एवं फुटपाथ के ऊपर से अतिक्रमण को जल्द से जल्द हटाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि नियमों का पालन करना सभी के लिए जरूरी है और कोई भी अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि बाजार की सुंदरता और सफाई बनाए रखने में सहयोग करें। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि नियम तोड़ने वालों पर जुर्माना और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बिजली पोल को मारी टक्कर, ड्राइवर की मौत

खूंटी: सिमडेगा के मुख्य पथ पर तोरपा क्षेत्र के कुल्डा रहमत कॉलोनी के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर से हुई हादसे ने एक व्यक्ति की जान ले ली। घटना गुरुवार और शुक्रवार (26 सितंबर) के रात करीब 1:30 बजे की है, जब ट्रेलर ने एक विद्युत पोल से टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि पोल टूट गया और ट्रेलर की ट्रॉली में उलझ गया। इसके बावजूद, ट्रेलर वहां से करीब आधा किलोमीटर दूर कच्छप पेट्रोल पंप के पास जाकर रुकी। शुक्रवार की सुबह स्थानीय लोगों और राहगीरों ने ट्रेलर में फंसा टूटा हुआ विद्युत पोल और तार देखा तो मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई। इसकी सूचना तोरपा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की। जांच के दौरान जब वाहन का गेट खोला गया तो अंदर ड्राइवर का शव पड़ा मिला।

मृतक की पहचान हजारीबाग जिले के चौपारण निवासी अमित कुमार राणा के रूप में हुई है। ट्रेलर में सीमेंट बनाने वाला डस्ट (धूल) लदा हुआ था, जिसे वह ओडिशा के राउरकेला से रामगढ़ के पतरातू ले जा रहा था। पुलिस के अनुसार, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ड्राइवर अमित की मौत विद्युत झटके (करंट) से हुई या हार्ट अटैक से। पुलिस मामले की हर कोने से जांच कर रही है। मृतक के परिजनों को मामले की जानकारी दे दी गई है।

बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है खनवां उत्क्रमित मवि

जर्जर भवन और किचेन शेड ने बढ़ायी छात्रों-शिक्षकों की परेशानी

मेदिनीनगर: सदर प्रखंड के खनवां उत्क्रमित मध्य विद्यालय की स्थिति बेहद दयनीय है। विद्यालय में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। कमरों की कमी, किचेन शेड का अभाव और जर्जर चहारदीवारी बच्चों की पढ़ाई और सुरक्षा पर सवाल खड़े कर रहे हैं। जिला मुख्यालय से महज आठ किलोमीटर दूर अमानत नदी के तट पर स्थित इस विद्यालय में कुल 133 बच्चे नामांकित हैं, लेकिन औसतन 70 ही बच्चे उपस्थित रहते हैं। यहां चार शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें दो सरकारी और दो सहायक शिक्षक शामिल हैं। कभी भी धराशायी हो सकता है भवन विद्यालय में कुल चार कमरे हैं, जिनमें दो पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं और कभी भी ढह सकते हैं। एक छोटे कमरे में कार्यालय चल रहा है। किचेन शेड न होने के कारण मध्याह्न भोजन एक कमरे में बनाया जाता है, जिसकी हालत भी जर्जर है। भवन और किचेन दोनों के छत से प्लास्टर टूटकर गिर रहा है, जिससे रसोइयां भी भयभीत रहती हैं। प्रधानाध्यापक गौरीशंकर चौधरी ने बताया कि विद्यालय की चहारदीवारी और कमरे की स्थिति खराब है। बिजली, पानी और शौचालय की सुविधा तो है, लेकिन भवन के अभाव में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इस संबंध में प्रखंड संसाधन केंद्र को अवगत कराया जा चुका है।

तेज रफ्तार का कहर, 6 लोगों ने मौके पर तोड़ा दम, कई गंभीर

संवाददाता

रांचीः पूर्वी सिंहभूम और गिरिडीह में शुक्रवार को 2 सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार ये दुर्घटनाएं पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा और गिरिडीह के बड़कीटांड इलाके में हुईं।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार तड़के पूर्वी सिंहभूम जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-18 पर झरिया मोड़ के पास कोलकाता से जमशेदपुर की ओर आ रही एक कार एक भारी वाहन के पिछले हिस्से से टकरा गई, जिससे 3 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया, मृतकों के शव क्षतिग्रस्त वाहन से निकाल लिये गए। शवों को बाद में पोस्टमार्टम के लिए घाटशिला अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया। एक अन्य घटना गिरिडीह-धनबाद मुख्य मार्ग पर बड़कीटांड जंगल के पास घटी जहां एक यात्री वाहन तेज रफ्तार ट्रक से टकरा गया, जिससे 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि शवों को गिरिडीह सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

बिजली शिकायत निवारण शिविर में उपभोक्ताओं की समस्याओं पर हुई चर्चा

संवाददाता

खूंटीः झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड द्वारा विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फॉर्म के तहत खूंटी जिले के नगर भवन में एक कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बिजली उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों और शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया से अवगत कराना था। कार्यक्रम में झारखंड विद्युत शिकायत निवारण फोरम के अध्यक्ष राकेश सिंह और सदस्य अमित सिंह ने विशेष रूप से भाग लिया। डालसा खूंटी की राजश्री अर्पणा कुजूर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों की शिकायतों को सीधे तौर पर सुना और उन्हें आवश्यक कानूनी जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर विद्युत कार्यपालक अभियंता खूंटी जेम्स कुजूर, विद्युत कार्यपालक अभियंता रांची राजेश मंडल, तथा कनीय विद्युत अभियंता खूंटी मुरहू अमित कुमार भी मौजूद रहे।

शिविर में आए उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिलों में देरी और गड़बड़ी की शिकायतें कीं। वहीं, ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों से आए लोगों ने बार-बार ट्रांसफार्मर खराब होने की समस्या उठाई।शिकायतें सुनने के बाद रांची से आए बिजली विभाग के अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए निर्देश दिया कि ऐसे सभी क्षेत्रों, जहां अभी तक बिजली की पहुंच नहीं है, उनका काम छह माह के अंदर पूरा किया जाए। इससे स्थानीय निवासियों को काफी राहत की उम्मीद है।

निर्माण में खामी मिलते ही उप प्रमुख के आदेश पर गिराया गया अधूरा शौचालय भवन

मुरहूः प्रखंड उप प्रमुख अरुण कुमार साबू ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुरहू में निर्माणाधीन शौचालय भवन की गुणवत्ता की कड़ी जांच की। इस दौरान निर्माण में गंभीर तकनीकी खामी पाए जाने पर उनके आदेश पर अर्धनिर्मित ढांचे को गिरा दिया गया। यह निर्माण कार्य उप प्रमुख की पहल पर ही जिला उपायुक्त के निर्देश पर शुरू किया गया था, जिसमें एक पेयजल ब्लॉक और अलग-अलग महिला-पुरुष शौचालयों का निर्माण शामिल है। जांच के दौरान उप प्रमुख अरुण साबू और सीएचसी के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ। आशुतोष तिग्गा ने पाया कि शौचालय भवन की दीवारें बिना 'टाई बीम' (स्ट्रक्चरल बीम) के बनाई जा रही थीं, जो निर्माण के मानकों के गंभीर रूप से विपरीत है और संरचना को कमजोर बनाती है। इस गंभीर त्रुटि के बाद तत्काल ठेकेदार को बुलवाया गया। कारण पूछे जाने पर ठेकेदार ने अपनी गलती स्वीकार की। उप प्रमुख साबू ने स्पष्ट किया कि बिना बीम का यह भवन सुरक्षित नहीं हो सकता, अतः इसे तोड़ना जरूरी है। उन्होंने ठेकेदार को तुरंत पूरे ढांचे को गिराकर टाई बीम लगाकर निर्माण कार्य दोबारा शुरू करने का आदेश दिया। ठेकेदार ने गलती मानते हुए तुरंत पुनर्निर्माण का काम शुरू कर दिया। इस घटना पर टिप्पणी करते हुए डॉ। आशुतोष तिग्गा ने कहा, उप प्रमुख अरुण साबू अपनी पंचायत के कार्यों, खासकर स्वास्थ्य से जुड़े मामलों पर बहुत गंभीरता से ध्यान देते हैं। जहाँ भी कोई गड़बड़ी मिलती है, वह तुरंत उसे ठीक करवाते हैं। इस घटना ने यह सवाल भी खड़ा किया है कि यदि एक छोटे से शौचालय भवन में इतनी सख्त जांच की आवश्यकता पड़ रही है, तो बड़े भवनों का निर्माण किन मानकों के तहत हो रहा होगा।

मूसलाधार बारिश में बहा 5 लाख की लागत से बना दुर्गा पूजा पंडाल

संवाददाता

हजारीबाग : जिले में उस वक्त हड़कंप मच गया जब पांच लाख रुपये की लागत से तैयार भव्य दुर्गा पूजा पंडाल अचानक धराशायी हो गया। वहीं, मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

मामला जिले के इचाक प्रखंड अंतर्गत देवकुली पंचायत का है। हादसे की वजह मूसलाधार बारिश बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि शनिवार को अचानक हुई मूसलाधार बारिश से करीब 5 लाख रुपये की लागत से तैयार भव्य दुर्गा पूजा पंडाल अचानक धराशायी हो गया। इससे भक्तों में मायूसी छा गई है। इतना ही नहीं इस दौरान 2 बिजली पोल भी क्षतिग्रस्त हो गए जिससे पूरे इलाके में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

मामले में ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने और पूजा समिति ने पिछले 2 से ढाई महीनों तक दिन-रात मेहनत कर पंडाल का निर्माण करवाया था। यह पंडाल आकर्षण का केंद्र बन चुका था, अब सब कुछ खत्म हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि चाहे जितनी भी मुश्किलें आएं, पंडाल को फिर से खड़ा करने का प्रयास किया जाएगा ताकि नवरात्र में श्रद्धालुओं की आस्था बनी रहे।

साइबर सुरक्षा व पर्यावरण संरक्षण की दी जानकारी

रामगढ़ः झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक रामगढ़ कैंट शाखा की ओर से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, रामगढ़ में वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बैंक के महाप्रबंधक राजकुमार गुप्ता ने किया। शिविर में छात्राओं को वित्तीय साक्षरता, डिजिटल बैंकिंग, साइबर सुरक्षा व पर्यावरण संरक्षण की जानकारी दी गयी। राजकुमार गुप्ता ने पर्यावरणविद उपेंद्र पांडेय द्वारा संचालित प्लास्टिक दान अभियान का समर्थन करते हुए छात्राओं को कपड़े का झोला इस्तेमाल करने की प्रेरणा दी।

जमीन के नीचे से निकल रहा बादल !

नजारा देखने दूर-दूर से आये लोग

पूर्वी सिंहभूम : एक नजारा देखने को मिला जिस ने सभी को हैरान कर दिया। यह नजारा बादलों सा दिखने वाला झागनुमा पदार्थ था जिसे देखकर मौजूद लोग हक्के-बक्के रह गए।

मामला जिले के बहरागोड़ा प्रखंड के मुड़ाकाटी गांव का है। बताया जा रहा है कि एनएच-18 किनारे जमीन के नीचे से रहस्यमयी तरीके से बादलों सा दिखने वाला झागनुमा पदार्थ लगातार निकल रहा था। देखते ही देखते यह खबर आग की तरह फैल गई। बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ यह नजारा देखने में जुटने लगी। रास्ते से गुजरने वाले लोग भी रुक-रुक कर यह नजारा देखने लगे। जानकारी मिलने पर दूर-दूर से लोग इसे देखने के लिए आने लगे। सभी के मन में बस यही एक सवाल था कि आखिर यह झागनुमा दिखने वाला पदार्थ क्या है?

मामले में ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने पहली बार ऐसा नजारा देखा है और झाग निकलने के पीछे की वजह अब तक किसी को समझ नहीं आ रही है। वहीं, ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि विशेषज्ञों की टीम बुलाकर इसकी जांच कराई जाए, ताकि इस रहस्यमयी घटना का राज खुल सके।

आदि कर्मयोगी अभियान के प्रभावी संचालन को लेकर परियोजना निदेशक आइटीडीए ने बैठक कर दिए आवश्यक निर्देश

संवाददाता

खूंटी : समाहरणालय स्थित सभागार में आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित किए जा रहे आदि सेवा केंद के प्रभावी संचालन तथा विलेज विजन एक्शन प्लान तैयार करने के विषय पर परियोजना निदेशक आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी समेत जिला स्तरीय अधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी उपस्थित थे।

परियोजना निदेशक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आदि सेवा केंद्र को संचालित करने के लिए आदि सहयोगी, आदि साथी एवं आदि प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। इन सभी के समन्वित प्रयास से प्रत्येक आदि ग्रामह्न के लिए बेहतर विलेज विजन एक्शन प्लान तैयार करने का निर्देश दिया गया। इसके लिए ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित कर क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों एवं समस्याओं की पहचान करने पर बल दिया गया, ताकि आगामी पाँच वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा- निर्देशों के आलोक में खूंटी जिले के अंतर्गत कुल 403 आदिवासी एवं आदिम जनजाति बहुल गांवों में आदि सेवा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

स्थापित आदि सेवा केंद्र में समयबद्ध रोस्टर के तहत विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाएंगी। ये केंद्र न केवल ग्रामीणों और विभागीय कर्मियों के बीच सेतु का कार्य करेंगे, बल्कि सेवा वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने में भी अहम भूमिका निभाएँगे।

दुर्गा पूजा के दौरान रहेंगे सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 2500 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची में बीते शुक्रवार से सभी बड़े पंडाल श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं, जहां बड़ी संख्या में भक्त-जन उमड़ रहे हैं। इस भीड़ को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं, ताकि पर्व शांति और सुरक्षा के साथ मनाया जा सके।

इस बार दुर्गा पूजा के दौरान कुल मिलाकर लगभग 2500 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। इनमें जिला पुलिस के साथ-साथ जैप, रैप, सीआरपीएफ और रैफ भी शामिल हैं। हर पंडाल और आसपास के इलाकों में पुरुष और महिला पुलिसकर्मी तैनात हैं, जो मनचलों, उचक्कों और

असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रख रहे हैं। सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मी ऐसे संदिग्धों को तुरंत पहचानकर पकड़ेंगे। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा टीमों को लगाया गया है। शाम के बाद भी पुलिस चौक-चौराहों और मैदानों में सतत गश्त करेगी। शहर के सुनसान इलाकों में भी पेट्रोलिंग जारी रहेगी, ताकि कहीं भी किसी श्रद्धालु को परेशानी न हो।

रांची एसएसपी राकेश रंजन स्वयं सड़कों पर पेट्रोलिंग कर रहे हैं और पीसीआर टीमों को दिशा-निर्देश दे रहे हैं। श्रीरंजन ने थानों को स्पष्ट आदेश दिया है कि दुर्गा पूजा के दौरान माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। राजधानी के प्रमुख पंडालों के आस-पास आसमान से ड्रोन निगरानी भी की जाएगी, ताकि किसी भी असामाजिक गतिविधि पर नजर रखी जा सके। सभी डीएसपी और थानेदारों को भी विशेष निर्देश दिए गए हैं कि वे सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह सख्त बनाएं। वहीं एसएसपी राकेश रंजन ने कहा, 'दुर्गा पूजा के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सोशल मीडिया और असामाजिक तत्वों पर हमारी पैनी नजर रहेगी। माहौल बिगाड़ने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

औद्योगिक दुर्गा पूजा समिति ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का किया अभिनंदन

मेट्रो रेज

रांचीः महानगर औद्योगिक दुर्गा पूजा समिति का एक प्रतिनिधिमंडल एचईसी क्षेत्र के जाने-माने समाजसेवी शंभू सिंह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मिला और उनका अभिनंदन किया।

इस अवसर पर समीर सिंह, जीतेन्द्र यादव, धर्मेन्द्र मिश्रा, पतरस तिर्की सहित अन्य शामिल थे। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने समिति के पदधारियों व सदस्यों को दुर्गा पूजा के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी। वहीं, महानगर औद्योगिक दुर्गा पूजा समिति की ओर से मुख्यमंत्री को पूजा पंडालों के भ्रमण के लिए आमंत्रित किया गया।

रांची में बनेगा झारखंड का सबसे बड़ा शॉपिंग मॉल, 11 मंजिला होगा ट्वीन टावर

संवाददाता

रांचीः झारखंड के रांची में एक भव्य माल बनकर तैयार होगा। यह मॉल शहर के मेन रोड स्थित सैनिक बाजार परिसर में बनेगा। परामर्शी मांस एन वायड ने मॉल की डिजायन को लेकर प्रजेंटेशन दिया।

जानकारी के मुताबिक सामने एक और पीछे 2 भवन बनाये जायेंगे जिसका मुख्य आकर्षण ट्वीन टावर रहेगा जो 11 मंजिला बनेगा। यहां कुल 9 लाख वर्ग फीट में काम्प्लेक्स बनेगा, जिसमें मार्केटिंग सह ऑफिस का बिल्डअप एरिया 6 लाख वर्ग फीट होगा जिसमें 3 लाख वर्ग फीट का दो बेसमेंट बनेगा जहां 700 से अधिक वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। निचले तल यानी लोअर ग्राउंड फ्लोर पर शापिंग मॉल एवं मार्केटिंग

कॉम्प्लेक्स बनेगा। यह अगले भवन का हिस्सा होगा।

इसके अलावा अगले हिस्से में ही जी प्लस फाइव मंजिला भवन बनेगा। इस पांच मंजिले भवन में ही ग्राउंड फ्लोर पर शापिंग पोडियम (कियोस्क एवं छोटे खुले दुकान) बनाये जायेंगे। यही अगले हिस्सा का भवन जी प्लस फाइव होगा जिसमें लगभग 6 मल्टीप्लेक्स ,गेमिंग जोन, फूड कोर्ट और शो रूम का प्रावधान रहेगा। मॉल के पिछले हिस्से में मिश्रित उपयोगिता वाला ट्वीन टावर बनेगा जिसमें खुदरा व्यवसाय के साथ मनोरंजन एवं वर्कशॉप सह कार्यशाला भी बनाया जाएगा जो शहरी नागरिकों की जरूरतों को पूरा करेगा। वहीं, मॉल बन जाने के बाद सभी पुराने दुकानदारों को वहां शिफ्ट किया जाएगा।

प्रदेश राजद के सचिव बने मनोज अग्रवाल

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी में वर्षों से समाज सेवा में लगे रहने वाले मनोज कुमार अग्रवाल को झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल का सचिव बनाया गया है। श्री अग्रवाल के सचिव बनाये जाने की घोषणा प्रदेश झारखंड के अध्यक्ष संजय प्रसाद यादव ने की। श्री अग्रवाल को सचिव बनाये जाने पर राजद के की नेताओं ने उन्हें बधाई दी है। श्री अग्रवाल ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है उस पर वे खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उल्लेखनीय है कि श्री अग्रवाल वर्षों से दलित, पिछड़े, गरीब, लाचार और असहाय लोगों के बीच सेवा कार्य में लगे रहते हैं।

धुर्वा में धूमधाम से होगा रावण दहन सीएम सहित कई नेता होंगे शामिल

संवाददाता

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं विजयादशमी रावण दहन समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दुबे ने बताया कि इस वर्ष भी परंपरा के अनुसार 2 अक्टूबर को शालीमार बाजार, एचईसी धुर्वा में भव्य विजयादशमी रावण दहन समारोह आयोजित होगा।

यह समारोह 1968 से निरंतर चल रहा है और झारखंड एवं रांची का सबसे पुराना रावण दहन मंच है, जिसमें हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस महत्वपूर्ण आयोजन में रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन कर असत्य, अहंकार एवं अन्याय पर सत्य और धर्म की विजय का संदेश दिया जाता है। दूबे ने बताया कि यह आयोजन धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि रावण दहन समारोह में आयोजित आतिशबाजी और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन की भव्यता को और बढ़ा देते हैं। समिति के अध्यक्ष संजीत यादव और पदाधिकारियों ने झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से मुलाकात कर उन्हें रावण दहन समारोह में आमंत्रित किया। दोनों मंत्रियों ने कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति दी है। इसके अलावा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री दीपिका पांडे सिंह और लोहरदगा विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव सहित कई विशिष्ट अतिथियों को भी समारोह में आमंत्रित किया जा रहा है।

दूबे ने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग से सुरक्षा व्यवस्था और अग्निशमन सुविधाओं को पूर्ण रूप से सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। उन्होंने बताया कि हालांकि बारिश का मौसम आयोजकों के लिए चुनौतीपूर्ण है।

ओमप्रकाश दुबे बने आईसीएल के प्रदेश महासचिव

मेट्रो रेज

रांचीः इंडियन कनफेडरेशन आफ लेबर (आईसीएल) झारखंड प्रदेश के प्रदेश महासचिव के पद पर ओमप्रकाश दुबे निवास ग्राम पोस्ट तालिया घमंडी थाना चैनपुर जिला पलामू को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सह प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी द्वारा मनोनीत किया गया है । इयस अवसर पर उन्होने कहा कि हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि इंडियन कनफेडरेशन आफ लेबर आईसीएल के साथ-साथ झारखंड

प्रदेश के गरीब मजदूर वंचित लोगों की जो भी समस्या होगी उनका समस्या के निदान हेतु हर प्रकार का लड़ाई लड़ते हुए उन सब को हक अधिकार दिलाने का काम करेंगे । राष्ट्रीय एवं प्रदेश द्वारा जो भी यूनियन द्वारा कार्यक्रम या बैठक की जानकारी दी जाती है तो वह आवश्यक बैठक में उपस्थित हो ताकि जो भी झारखंड प्रदेश का मजदूर समस्या निदान हेतु बैठक किया गया है उसे समस्या को समझते हुए अपना जिला में भी समस्या निदान हेतु कार्य कर सके

बेहतर शिक्षा मधुसूदन पब्लिक स्कूल की है पहचान

बिनय मिश्रा

शिक्षा अनमोल धरोहर है। विद्यार्थियों को संवारने और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए शैक्षणिक संस्थान की सशक्त पहचान, बेहतर माहौल बहुत कुछ विद्यार्थियों को सिखाते हैं। चक्रधरपुर स्थित मधुसूदन पब्लिक स्कूल की बेहतर पढ़ाई उत्कृष्ठ परीक्षाफल के परिणाम मेधावी छात्र के द्वारा विद्यालय और शैक्षणिक संस्थान का नाम पुरे राज्य में गौरवान्वित किया है। इसका श्रेय निश्चित तौर पर विद्यालय के प्राचार्य के. नागराजु के बेहतर प्रयास शिक्षकों के साथ बेहतर समजस्य, पठन-पाठन कुशलतापूर्वक संपादित कराये जाने का ही यह परिणाम है कि यह विद्यालय मैट्रिक और इंटर के

परीक्षाफल परिणाम से पूरा झारखण्ड को गौरवान्वित करता है जो निश्चित तौर पर यह विद्यालय जिला या कोल्हान प्रमण्डल ही नहीं बल्कि पूरे राज्य के लिए मधुसूदन पब्लिक स्कूल बेहतर और उत्कृष्ठ विद्यालय के रूप में

पहचाना जाता है। इस विद्यालय की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि शिक्षकों के द्वारा बच्चों को निरंतर कामयाबी और अव्वल आने के लिए जो प्रयास किये जाते हैं उसका परिणाम भी काफी सार्थक है। मैट्रिक और इंटर के मेधावी छात्रों के द्वारा अपनी अव्वलता और सफलता से विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्राचार्य के द्वारा पठन-पाठन के लिए सबों शिक्षकों को बेहतर टास्क देकर बच्चों के भविष्य के लिए उन्हें जो जवाबदेही दी गयी है उसमें यह हमेशा बच्चों के लिए अव्वलता का मूल मंत्र भी है। प्राचार्य के. नागराजु बताते हैं कि मधुसूदन पब्लिक स्कूल बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए सदैव प्रयत्नशील हैं और इसी का यह परिणाम है कि इस विद्यालय में बच्चों के प्रतिभा को बेहतर बनाने अभिभावक के विश्वास को और सुदृढ़ करने में यह विद्यालय सदैव सफल रहा है। शिक्षाविद् के मार्गदर्शन से विद्यालय को काफी बेहतर माहौल भी मिला है।

MINOR IRRIGATION DIVISION, RANCHI.
e-Procurement Notice
e-Tender Reference No. WRD/MID/RANCHI F_2 - 17/2025-26

1.	Name of the work	**Construction of Single Check Dam on Sarwa Nala Block:- Mandar, Dist- Ranchi.**
2.	Estimated Cost	**Rs. 72,02,000.00**
3.	Time of Completion	(11 months)
4.	Date of Publication of E - Tender on website	18.10.2025 at 2.00 pm
5.	Last date/Time for submission of E-Tender BID's	25.10.2025 up to 5:00 pm
6.	Last Date for online Submission of tender fee and EMD	e-Procurement Portal **(jharkhandtenders.gov.in)** 25.10.2025 up to 5:00 pm
7.	Date of Opening Tender	30.10.2025 at 2:00 pm
8.	Name & address of office Inviting tender	Executive Engineer, M.I. Division, Ranchi, Room No. 302, AbhiyantranBhawan, KutcheryChowak, Ranchi
a.	Contact no. of e-Procurement officer	0651-3512781
b.	Helpline number of e-Procurement cell	0651-3512781/Email ID- eemidran-cemr-jhr@nic.in

Note :-(1) Only e-Tenders will be accepted.
(2) Published Estimated Cost may be Increase or Decrease
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

PR 363026 Minor Irrigation (25-26)D

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division, Ranchi.

निपु सिंह जाएंगे कोलकाता, मां दुर्गा व मां काली से लेंगे आशीर्वाद

रांचीः राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह झारखंड अगेंस्ट करप्शन के केंद्रीय संगठन मंत्री और रांची जिले के जाने-माने समाजसेवी निपु सिंह नवरात्र के अवसर पर कोलकाता जाएंगे और मां दुर्गा और मां काली से आशीर्वाद लेंगे ।श्री सिंह ने गड़िया कोलकाता स्थित महाअष्टमी का दिन नवदुर्गा पंडाल में मां दुर्गा को पुष्पांजलि देंगे और तीन अक्टूबर शुक्रवार को मां काली का दर्शन करने काली घाट जाएंगे और श्री सिंह ने कहा कि पूरे देश में बंगाल में धूमधाम से मां दुर्गा की पूजा होती है और यहां के कलाकारों द्वारा अद्भुत पंडाल बनाया जाता है जो देखकर मन में शांति मिलती है और खुशियां दोगुनी हो जाती है और कहा कि बचपन से ही कोलकाता से लगाव रहता है इसलिए बार-बार मां मुझे खींच लाती है और कहा कि यहां पर मां का विसर्जन बहुत ही धूमधाम से होती है मां का विसर्जन देखने के लिए हर इंसान का सपना होता है और कहा कि पूरे देश के जनता को मां दुर्गा सुख, शांति, समृद्धि, खुशी दें और स्वस्थ रखें ।

शहर में पागल कुत्ते का आतंक,अब तक 17 लोगों को काट चुका है

रांचीः देश भर में कुत्ते के आतंक से हर कोई दहशत में है। आए दिन कुत्ते इंसानों पर हमला बोलते ही रहते हैं। वहीं, झारखंड के रांची में एक पागल कुत्ते ने 17 लोगों को काट लिया। मामला जिले के तमाड़ का है। बताया जा रहा है कि यहां एक पागल कुत्ता घूम रहा है। इस पागल कुत्ते ने अब तक 17 लोगों को काट लिया। घायलों में ज्यादातर स्कूली बच्चे शामिल हैं। यह स्कूली बच्चे इस रास्ते से स्कूल से अपने घर लौटते हैं। इसी क्रम में वह कुत्ते का शिकार हो गए। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, घटना के बाद से लोग दहशत में आ गए हैं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल संख्या-1, राँची

अति अल्पकालीन निविदा/कोटेशन आमंत्रण सूचना–73/2025–26

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल सँख्या–1, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री करने की तिथि एवं समय : दिनांक 04.10.2025 को 1.00 (एक) बजे अपराहन् तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 06.10.2025 को 3.00(तीन) बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 06.10.2025 को 3.30(साढ़े तीन) बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर भवन अंचल–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची एवं कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय।
8. कार्यों का विवरण :

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की तिथि
1	Renovation of Boundary wall, Parking Tiles, Pathway, Staff Quarter and Campus Development work of Judicial Commissioner Residence at Kanke Road, Ranchi	4065400	81400	5000	Two Months
2	Renovation of NIA Court Room Situated at 3rd Floor of 40 Court Building, Civil Court, Ranchi	4946700	99000	5000	Two Months
3	Upgradation Renovation of Barrack Room & Corridor in 3rd Floor & 4th Floor (CM Security Guard) at Utpad Bhawan Ranchi	3093600	61900	5000	Two Months
4	Water Proofing and Repair works of Main Portico & Renovation work of Conference Hall (Ground Floor) & Small Dining Room (1st Floor) at Rajbhawan Ranchi	3080800	61700	5000	Two Months
5	Renovation work of ADJ Quarter No-38, 41, 42 & 43 at Judge Colony, Kanke Road Ranchi	2057900	41200	5000	Two Months
6	Construction of Boundary wall gate, parking shed, Parking tiles and other works at Fire station Rajinder Chowk ,Doranda Ranchi	3615900	72400	5000	Two Months

नोट :– निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्ल संख्या–1, राँची

PR 362999 Building (25-26)_D

झारखंड में दो अक्टूबर तक बारिश से राहत नहीं,30 सितंबर तक यलो अलर्ट

रांची सहित कई इलाकों में आज भी वज्रपात व तेज हवा के साथ बारिश

मेट्रो रेज

रांचीः बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाववाले क्षेत्र के और गहराने से झारखंड के कई जिलों में शुक्रवार को दोपहर के बाद भारी बारिश हुई। निम्न दबाव वाला क्षेत्र शनिवार की सुबह ओडिशा व आंध्रप्रदेश की तरफ बढ़ेगा, इसके संकेत मिले है। ऐसे में इसकी नमी का असर पूरे राज्य में भी पड़ेगा। खासकर कोल्हान और सिमडेगा आदि इलाके में ज्यादा असर रहेगा। शनिवार को रांची सहित कई इलाकों में भी वज्रपात व तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने पूरे राज्य में येलो अलर्ट जारी किया है।

28 से 30 सितंबर तक लोगों को लगातार बारिश से थोड़ी राहत मिल सकती है। हालांकि, दोपहर बाद वज्रपात के साथ

बारिश होने की संभावना है। इस बीच बंगाल की खाड़ी में एक व दो अक्टूबर को भी एक बार फिर से निम्न दबाव वाला क्षेत्र बनने की संभावना नजर आ रही है, जिससे बारिश होने की संभावना है। बारिश से एक बार फिर तापमान में गिरावट दर्ज की गयी। रांची के तापमान में पिछले 24 घंटे में 2.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ गयी।

पंचाग के अनुसार, हस्ता (हथिया) नक्षत्र शनिवार से शुरू हो रहा है। इसका समापन 11 अक्टूबर को सुबह 10.51 बजे हो जायेगा। इसके बाद चित्रा नक्षत्र लग जायेगा, जो 24 अक्टूबर तक रहेगा। इसके बाद से स्वाति नक्षत्र शुरू हो जायेगा, जिसका समापन छह नवंबर को होगा। इसी के बाद वर्षा ऋतु का भी समापन हो जायेगा।

शुक्रवार को हुई बारिश से धनबाद के भूली में बी ब्लॉक का पूजा पंडाल पूरी तरह से धराशायी हो गया। वहीं रांची के भी कई पूजा पंडालों में पानी भर आया। राज्य में ठनका गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। जमशेदपुर के आदित्यपुर में एस टाइप मैदान में तोरण द्वार गिर गया। गिरिडीह में दीवार गिरने से अनिता देवी की जान चली गई। जमशेदपुर के पटमदा में वज्रपात से चक्रधर कुंभकार और प्रभाष सिंह की मौत हो गई वहीं पलामू के चाड़ो गांव में छह साल की बच्ची की मौज ठनका के चपेट में आने से हो गई।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

श्रद्धा अंतःकरण का प्रसाद

पूर्वजों पितरों के प्रति श्रद्धापूर्णता राष्ट्रजीवन की श्रद्धा रही है। जीवन की सांझ आ गई है। पक्षी कलरव कर चुके। प्रकृति विश्राम करने जा रही है, लेकिन बूढ़े लोग जीवन की सांझ में अकेले हैं। पुत्र उनकी उपेक्षा करते हैं। अपमान करते हैं। देश में वरिष्ठ नागरिक अकेलेपन के शिकार हैं। वे उपयोगी नहीं रहे। उपयोगितावाद यूरोप, अमेरिका से यहाँ आया है। श्रद्धा भाव है और श्राद्ध कर्मकाण्ड। श्रद्धा अंतःकरण का प्रसाद है। प्रसाद आंतरिक आनंद देता है। पतंजलि ने श्रद्धा को चित्त की स्थिरिता या अक्षोभ से जोड़ा है। श्रद्धा की दशा में क्षोभ नहीं होता। श्रद्धा की अभिव्यक्ति श्राद्ध है। भारतीय विद्वानों ने भाव को कर्म बनाया। पिता, पितामह और प्रपितामह के लिए अन्न, जल आदि के अर्पण तर्पण का कर्मकाण्ड बनाया। श्रद्धा है कि अर्पित किया गया भोजन पितरों को मिलता है। वे प्रसन्न होते हैं और सन्तति को सभी सुख साधन देते हैं। हम भारतवासी वरिष्ठों, पूर्वजों के प्रति श्रद्धालु रहते हैं। संप्रति पितर पक्ष है। इस समय को पितरों के प्रति श्राद्ध के लिए श्रेष्ठ माना जाता है।

लोक मान्यता है कि इस पक्ष में पूर्वज पितर आकाश लोक आदि से उतरकर धरती पर आते हैं। हम पूरे वर्ष तमाम गतिविधियों में सक्रिय रहते हैं। इसी में 15 दिन पितरों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के हैं। वैदिक निरूक्त में श्रत और श्रद्धा को सत्य बताया गया है। हम पितृपंक्ति का विस्तार हैं। वे थे, इसलिए हम हैं। उन्होंने हमारी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए तमाम कर्म किए। वे नमस्कारों के योग्य हैं। वे श्रद्धेय हैं। कुछ विद्वान कहते हैं कि ऐसे कर्मकाण्ड वैज्ञानिक दृष्टिकोण की संगति में नहीं आते। वे अंधविश्वास जान पड़ते हैं। लेकिन कर्मकाण्ड निराधार नहीं होते। सभ्य समाज में पितरों का आदर होना ही चाहिए। श्राद्धकर्म की वैज्ञानिकता की बहस पुरानी है। मत्स्य पुराण (19.2) में प्रश्न है कि श्राद्ध का भोजन पुरोहित या अग्नि को अर्पित होता है, क्या वह मृत पूर्वजों द्वारा खाया जाता है? जो मृत्यु के बाद अन्य शरीर धारण कर चुके होते हैं?ह्व इस प्रश्न का उत्तर भी दिया गया है, ह्लपिता, पितामह और प्रपितामह को वैदिक मंत्रों में क्रमशः वसु, रूद्र और आदित्य देव के समान माना गया है। वे नाम परिचय सहित उच्चारण किए गए मंत्रों आहुतियों को पितरों के पास ले जाते हैं। यदि पितर सत्कर्म के कारण देवता हो गए हैं तो वह भोजन आनंद रूप में उनके पास पहुंचता है, यदि पशु हो गए हैं तो भोजन घास हो जाता है यदि सर्प जैसे रेंगने वाली योनि में हैं तो यह भोजन वायु आदि के रूप में उन्हें मिलता है। मत्स्य पुराण के प्रश्न तत्कालीन समाज के जिज्ञासुओं के तर्क हैं। प्रश्नों के उत्तर श्राद्ध समर्थकों के स्पष्टीकरण हो सकते हैं। श्रद्धा कर्म परम्परा पुरानी है और पुनर्जन्म पर विश्वास भी प्राचीन है। ऋग्वेद में पुनर्जन्म की चर्चा है। लेकिन संतानों द्वारा प्रेषित भोजन पितरों को मिलने की धारणा में पुनर्जन्म सिद्धांत का मेल नहीं है। पहले बात साफ थी कि मृतात्माएं श्राद्धकर्म का भोजन पाती हैं। पुनर्जन्म सिद्धांत के कारण आत्मा के नए शरीर धारण की बात आई। आर्य समाज श्राद्धकर्म के पक्ष में नहीं है। उसके सामने ऋग्वेद में पितरों के उल्लेख की समस्या थी। आर्य समाज ने ऋग्वैदिक पितरों को मृत नहीं माना। उन्हें जीवित वानप्रस्थी बताया। समस्या शतपथ ब्राह्मण के रचनाकार के सामने भी थी। यहां मंत्र है ह्लयह भोजन पिता जी आपके लिए है।ह्व याज्ञवल्क्य की व्यवस्था है ह्लवसु, रूद्र और आदित्य हमारे पितर हैं। वे श्राद्ध के देवता हैं। पितरों का ध्यान वसु रूद्र और आदित्य के रूप में ही करना चाहिए। वृहदारण्यक उपनिषद् में याज्ञवल्क्य ने शाकल्य को रूद्र और वसु का वास्तविक अर्थ समझाया है। यहां पृथ्वी, आकाश आदि वसु हैं। प्राण, इन्द्रियां मन आदि रूद्र हैं। आदित्य प्रकाश हैं। पितर श्रद्धा यहां प्रकृति की शक्तियों के प्रति समर्पित दिखाई पड़ती है। ऋग्वेद के दसवें मण्डल (सूक्त 14) में मृत पितरों पर रोचक विवरण हैं। कहते हैं ह्लयम (नियम) व्यवस्था को कोई बदल नहीं सकता। जिस मार्ग से हमारे पूर्वज गये हैं, उसी मार्ग से सभी मनुष्य जायेंगे। अन्ततः सबको यम के पास जाना ही पड़ता है।ह्व मृत पिता से कहते हैं ह्लजिस पुरातन मार्ग से पूर्वज पितर गये हैं, आप भी उसी से गमन करें।ह्व फिर यज्ञ कर्म की चर्चा है। यम से प्रार्थना है कि ह्लआप अंगिरा आदि पितरजनों सहित हमारे यज्ञ में आएं।ह्व आगे (सूक्त 15) पितरों को नमस्कार निवेदन करते हैं, ह्लजो पितामह आदि पितर पूर्वज या उसके बाद मृत्यु को प्राप्त पितर हैं, या जो फिर से उत्पन्न हो गए हैं। उन सबको नमस्कार है। इदं पितृभ्यो नमः अस्त्वद्य ये पूवासो या उपरास ईयुः।ह्व फिर कहते हैं, ह्लहे पितरों! हमारे आवाहन पर आप आएं। यज्ञशाला में दक्षिण की ओर कुश में बैठें। पूर्वजों पितरों का सम्मान और मृत होने के बावजूद उन्हें स्मरण करना आनंददायी है। उप्र में विवाह के एक दिन पूर्व महिलाएं लोक गीत गायन करती हैं, गीत में मृत पितरों को निमंत्रण है कि आप सब इस विवाह में आओ। बरात चलो। विवाह में आशीष दो। शास्त्र पुराना है या लोक? कह नहीं सकता। पितरों को निमंत्रण देने वाला लोकगीत पुराना है या ऋग्वेद के पितर सम्बंधी मंत्र? सच क्या है? मैं नहीं जानता पर मृत पितरों को जीवंत जानना स्मरण करना आह्लादकारी है। कर्मकाण्ड सचेत भी हो सकते हैं और अचेत भी। दोनों ही स्थिति में अनायास कुछ नया घटित हो सकता है। भारतीय चिन्तन में सूक्ष्म शरीर का अस्तित्व भी जाना गया है। सूक्ष्म शरीर पर भी प्रश्न उठाए जा सकते हैं। भोजन अर्पण शुद्ध श्रद्धा है। उन्हें मिलता है कि नहीं? ऐसे प्रश्न महत्वपूर्ण होकर भी श्रद्धा के सामने छोटे हैं। हम स्वाभाविक ही पूर्वजों की निन्दा में क्रोध करते हैं। पं. दीनदयाल उपाध्याय ने इसी विषय पर सुंदर उदाहरण सुनाया था। कथा के अनुसार एक श्रद्धालु पितृ श्राद्ध कर रहे थे। तार्किक ने पूछा कि क्या यह भोजन उन्हें ही मिलेगा? श्रद्धालु ने प्रश्नकर्ता के पिता को गाली दी। प्रश्नकर्ता गुस्से में आ गया। श्रद्धालु ने कहा कि आप बेकार गुस्से में हैं। आपके पिता तक यह गाली तो पहुंची ही नहीं। वे मृत हैं इसलिए गाली उन्हें मिल भी नहीं सकती। प्रश्नकर्ता निरूत्तर थे। श्राद्ध श्रद्धा की ही अभिव्यक्ति है। श्रद्धा प्रगाढ़ भाव है। यह अंधविश्वास नहीं है। इसकी अपनी उपयोगिता है। श्रद्धालु विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य नहीं खोते। ऋग्वेद में श्रद्धा को देवता कहा गया है। वरिष्ठजनों के प्रति आदरभाव श्रेष्ठ सामाजिक संगठन की आधारशिला है। वरिष्ठ और पूर्वज हमसे पहले से इस संसार में हैं। उनके अनुभव प्रगाढ़ हैं। माथापच्ची बेकार है कि वे भोजन या सम्मान चाहते हैं कि नहीं चाहते। मूल बात यही है कि हम उन्हें सम्मान और श्रद्धा भाव देकर स्वयं का आत्मबल बढ़ाते हैं और सामाजिक कर्तव्य का निर्वहन करते हैं। संप्रति वरिष्ठों का सम्मान घटा है। मृत माता-पिता के प्रति श्रद्धा दूर की बात है, जीवित माता-पिता भी फफक रहे हैं। श्राद्ध सामान्य कर्मकाण्ड नहीं है। हमारे पूर्वजों ने ही सुंदर समाज के लिए ऐसे सुंदर कर्मकाण्ड को गढ़ा है। इस कर्मकाण्ड में स्वयं के भीतर पूर्वजों के प्रवाह का पुनर्सृजन संभव है। अग्रजो, मार्गदर्शक, पूर्वजो और मंत्रद्रष्टा पितरों को नमस्कार करते मन नहीं अघाता। ऋग्वेद के ऋषि ने सही गाया है-इदं नमः ऋषिभ्यः पूर्वजेभ्यः पूर्वेभ्यः पथिकृभ्यः।

जीएसटी दरों में कटौती से किसानों को बड़ी राहत

> अब प्रश्न उठता है कि आखिर ऐसी महिला को दशहरा जैसे महोत्सव का मुख्य अतिथि क्यों बनाया गया उत्तर स्पष्ट है कि यह तुष्टिकरण की राजनीति का हिस्सा है। कांग्रेस सरकार दिखा रही है कि वह अल्पसंख्यक समुदाय की प्रतिनिधि है, सरकार बानू मुश्ताक के जरिए स्पष्ट तौर पर बता रही है कि वो जो चाहे कर सकती है, बहुसंख्यक परंपराओं के केंद्र में बैठ कर उसे जो करना होगा वह करेगी और कोई उसका कुछ नहीं कर सकता ।

भारत सरकार ने खेती से जुड़े उपकरणों, उर्वरकों और अन्य कृषि उत्पादों पर जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) की दरों में महत्वपूर्ण कमी की है। इस निर्णय से देशभर के करोड़ों किसानों को सीधी आर्थिक राहत मिलेगी। अनुमान है कि इससे किसानों की सालाना करीब 60,000 करोड़ रुपये तक की बचत होगी। आईआईएम मुंबई के अनुसार

-प्रो. मनोज तिवारी

जीएसटी में बदलाव का एक बड़ा असर जहां कंज्यूमर गुड्स और आटो सेक्टर में देखने मिलेगा वहीं इससे खेती किसानी में भी बड़ी राहत मिलेगी, इससे देश की अर्थव्यवस्था में तेजी देखने मिलेगी।भारत सरकार का हाल ही में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों को तर्कसंगत बनाने का निर्णय देश के कृषि क्षेत्र के लिए एक बड़ा कदम साबित हुआ है। खेती से जुड़े उपकरणों, मशीनरी और उर्वरकों पर कर में कटौती से करोड़ों किसानों को सीधी आर्थिक राहत मिलेगी।

ट्रैक्टर और स्पेयर पार्ट्स पर राहत

सबसे बड़ा बदलाव ट्रैक्टर और उसके पुर्जों की टैक्सेशन में हुआ हैः

- ✔ 45 हॉर्सपावर का ट्रैक्टर खरीदने वाले किसान को अब लगभग ?47,000 की सीधी बचत होगी।
- ✔ ट्रैक्टर टायर, जिन पर पहले 18% जीएसटी लगता था, अब केवल 5% पर उपलब्ध होंगे।
- ✔ स्पेयर पार्ट्स पर जीएसटी 28% से घटाकर 18% कर दिया गया है, जिससे मरम्मत और रखरखाव की लागत कम होगी।

इससे मशीनीकृत खेती किसानों के लिए सस्ती होगी और उनकी उत्पादकता में दीर्घकालिक बढ़ोतरी की उम्मीद है।

सस्ते हुए कृषि उपकरण

यह सुधार सिर्फ ट्रैक्टर तक सीमित नहीं हैः

ड्ड लगभग ?2 लाख कीमत वाले रोटावेटर पर अब करीब ?14,000 की बचत होगी।

ड्ड कृषि ड्रोन, पंपिंग सेट और हार्वेस्टर जैसे आधुनिक उपकरण भी पहले की तुलना में सस्ते हो जाएंगे।

इससे किसानों को न केवल वित्तीय राहत मिलेगी बल्कि उन्हें नई तकनीक अपनाने का प्रोत्साहन भी मिलेगा, जो उत्पादन और दक्षता दोनों को बढ़ाएगा।

उर्वरक और बायो-इनपुट्स पर कम कर

सूक्ष्म पोषक तत्वों और बायो-फर्टिलाइजर पर जीएसटी कम करना एक और बड़ा कदम है। इससे खेती की लगातार आने वाली लागत घटेगी और किसान प्राकृतिक व जैविक खेती की ओर बढ़ेंगे। इससे मिट्टी की सेहत बेहतर होगी और लंबे समय में पैदावार भी बढ़ेगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आय में बढ़ोतरी

इन कदमों का समग्र प्रभाव दोतरफा होगाः

1. उत्पादन लागत घटने से किसानों के लाभांश में सुधार होगा।
2. सस्ते और आधुनिक उपकरणों तक पहुंच से तकनीक का उपयोग बढ़ेगा।

अप्रत्यक्ष रूप से यह सुधार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा, रोजगार बढ़ाएगा और देश की विकास यात्रा में गति लाएगा।

जीएसटी सुधारों का व्यापक परिप्रेक्ष्य

यह सुधार सिर्फ कृषि तक सीमित नहीं है। 22 सितंबर 2025 से भारत 5% और 18% की दो-स्तरीय जीएसटी संरचना लागू हो गयी है , जबकि ह्ललक्जरी वस्तुओंह्व पर 40% दर बनी रहेगी। इसका उद्देश्य टैक्स प्रणाली को सरल बनाना, अनुपालन लागत घटाना और कारोबार करने की सुविधा बढ़ाना है।

भारत की अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था औपनिवेशिक काल के उत्पाद शुल्क से शुरू होकर वैट और 2017 में जीएसटी तक पहुंची। प्रारंभिक चुनौतियों के बावजूद जीएसटी ने एकीकृत, डिजिटल-प्रथम कर ढांचा दिया। ताजा सुधार उसी यात्रा का अगला चरण है—जो कर प्रणाली को और सरल, न्यायसंगत और प्रभावी बनाएगा।

हालांकि सरकार को अल्पावधि में करीब ?48,000 करोड़ का राजस्व नुकसान होगा, लेकिन करदाताओं की संख्या और खपत बढ़ने से इसकी भरपाई की उम्मीद है। जीएसटी संग्रह पहले ही 2017-18 के ?82,000 करोड़ से बढ़कर 2025 में ?2.04 लाख करोड़ से ऊपर पहुंच चुका है।

आंकड़ों से आगे का सुधार

जीएसटी में यह बड़ा बदलाव केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है; यह प्राथमिकताओं का भी संकेत है। खेती के उपकरणों, उर्वरकों और जीवनरक्षक दवाओं जैसी आवश्यक वस्तुएं सस्ती करके सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कर प्रणाली समावेशी विकास की दिशा में काम करेगी। भारत के किसान, जो अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, उनके लिए यह सुधार वास्तविक और ठोस लाभ लेकर आया है। कम लागत, बेहतर तकनीक और बढ़ी हुई आय से न केवल उनकी आजीविका सुधरेगी बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। खेती से जुड़े उपकरणों और इनपुट्स पर जीएसटी दरों में कटौती किसानों के पक्ष में निर्णायक सुधार है। सालाना ?60,000 करोड़ तक की संभावित बचत सिर्फ आर्थिक राहत नहीं है; यह आधुनिकीकरण, जैविक खेती को बढ़ावा और ग्रामीण समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। व्यापक जीएसटी सरलीकरण के साथ मिलकर यह कदम ₹वन नेशन, वन टैक्स₹ की दिशा में एक बड़ी छलांग है- जहां कर प्रणाली नागरिकों और किसानों को केंद्र में रखकर भारत की विकास गाथा लिखेगी।

(लेखक, आईआईएम मुंबई के निदेशक हैं।)

शारदीय नवरात्रि का धार्मिक,वैज्ञानिक और सामाजिक महत्व

> हर व्यक्ति, हर समाज, हर देश और कुल मिलाकर पूरी दुनिया अगर इस भाव को अंगिकार कर ले तो निश्चित रूप से न केवल विश्व शांति की स्थापना हो पाएगी बल्कि भारत का ही दर्शन ह्लउदार चरितानाम, वसुधैव कुटुंबकमह्लकी भावना सार्थक सिद्ध हो पाएगी। आज इसकी बहुत आवश्यकता है। यदि ऐसा हो पाया तो निश्चित रूप से न केवल वैश्विक शांति की स्थापना होगी बल्कि पर्यावरण का संरक्षण होगा।

शारदीय नवरात्रि का शुभारम्भ हो चुका है। मां दुर्गा के नौ स्वरूपों को समर्पित नवरात्रि का शाब्दिक अर्थ नौ रातें है। नवरात्रि वर्ष में चार बार ऋतु परिवर्तन के साथ आती है। प्रथम चैत्र नवरात्रि (मार्च-अप्रैल) बसंत ऋतु पर, द्वितीय आषाढ़ नवरात्रि (जून जुलाई) वर्षा ऋतु से पूर्व, तृतीय अश्विन/शारदीय नवरात्रि (सितंबर-अक्टूबर) शरद ऋतु की शुरूआत पर और चतुर्थ माघ/ गुप्त नवरात्रि (जनवरी-फरवरी) शीत ऋतु में आती है। शारदीय नवरात्रि आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक मनाई जाती है। दशमी के दिन रावण वध और दशहरा (विजयदशमी) के दिन बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव मनाया जाता है। नवरात्रि में शक्ति का

रसना तिवारी

जागरण प्रमुख हैं। एक पौराणिक कथा के अनुसार महिषासुर नाम का एक शक्तिशाली असुर था, जिसे कोई भी देवता पराजित नहीं कर पा रहे था, तब त्रिदेव (ब्रह्मा-विष्णु-महेश) की शक्तियों से देवी दुर्गा की उत्पत्ति हुई, जिन्होंने अन्ततः महिषासुर का वध किया, इसलिए इस पर्व को असत्य पर सत्य की विजय और अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक माना जाता है। इस पावन पर्व को धार्मिक दृष्टिकोण से ही नहीं बल्कि सामाजिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी लाभदायक माना गया है।

कलश (घट) स्थापना का महत्व और विधि

कलश स्थापना को हिंदू धर्म में मंगल व मां दुर्गा की उपस्थिति का प्रतीक माना है। यह नवग्रहों, पंचतत्वों और देवी-देवताओं का आह्वान करने वाला पात्र है। नवरात्रि के पहले दिन एक साफ मिट्टी या तांबे का कलश लें। उसमें शुद्ध जल भरें, साथ में चावल, सुपारी, द्रव्य (सिक्का), हल्दी की गांठ और पांच आम या अशोक के पत्ते डाल कर कलश के मुंह पर लाल वस्त्र में लपेटा हुआ नारियल रखें तथा कलश को चावल या मिट्टी से भरे पात्र पर रखें, जिसमें जौ बोए गए हों झ्र यही घटस्थापना कहलाती है। कलश में रखा जल अमृत तुल्य है, जिसे नवरात्रि के अंत में इसे पूरे घर में छिड़कने से वातावरण पवित्र और सकारात्मक हो जाता है।

नवरात्रि में उपवास या व्रत का महत्व व विधि- व्रत का तात्पर्य केवल भोजन न करना नहीं है, बल्कि यह आत्मसंयम, आत्मशुद्धि और माता की भक्ति में लीन होने का माध्यम है। नवरात्रि के सभी नौ दिन या प्रथम/अष्टमी/नवमी तक व्रत रखें। प्रातः स्नान करके देवी की पूजा करें और संकल्प लें। दिनभर फलाहार या जलाहार लें। संध्या को आरती करें और फल या सात्विक भोजन करें।

अपनी सुविधानुसार निर्जला व्रतः बिना पानी का उपवास (बहुत कठिन), फलाहार व्रतः फल, दूध, मेवे का सेवन या केला, सेब, अनार, पपीता दूध, दही, मठा साबूदाना, सिंघाड़ा, कुट्टू का आटा (हलवा, पूरी) मूंगफली, मखाना सेंधा नमक (साधारण नमक नहीं) ले सकते हैं। एक समय सात्विक भोजन के साथ व्रत रख सकते है। पर ध्यान रहे कि लहसुन, प्याज, चावल, गेहूं का आटा, मांस, अंडा, शराब, तला-भुना खाना वर्जित है। व्रत के समय देवीस्तुति नाम जप व ध्यान आवश्यक है। बुरे विचार, झूठ, अपमानजनक भाषा से बचना चाहिए। मंत्र जाप का महत्व, विधि व समय- पूर्व या पश्चिम दिशा की ओर स्थान का चयन कर कंबल, कुश या ऊन का आसन प्रयोग करें। समय - ब्रह्म मुहूर्त प्रातः 4:00 बजे से 6:00 बजे तक का समय श्रेष्ठ माना जाता है या संध्या समय भी मंत्र जप किया जा सकता है। मंत्रों का जाप पूजन के उपरांत श्रद्धा अनुसार 11, 21 या 108 बार किया जा सकता है। यह दुर्गा सप्तशती के अर्गला स्तोत्र, कीलक और कवच पाठ के अति महत्वपूर्ण भाग है। विधि विधान से इनका पाठ करने से साधक की रक्षा होती है और मंत्रों में बल आता है। मंत्र जाप में रुद्राक्ष या कमलगट्टा की माला श्रेष्ठ मानी जाती है। माला को गर्दन न से ऊपर तक ना ले जाए। मंत्र जाप का महत्व - मंत्र शब्द की उत्पत्ति संस्कृत की दो धातुओं से हुई है— ह्लमनह्व (मनन करना) और ह्लत्रह्व (रक्षा करना)। अर्थात, जो मन का चिंतन करके रक्षा करे, वह मंत्र कहलाता है। जब मंत्रों का उच्चारण श्रद्धा और एकाग्रता से किया जाता है, तो वह न केवल आध्यात्मिक शक्ति को जाग्रत करता है, बल्कि वातावरण को भी शुद्ध करता है। मंत्र जाप और देवी स्तुति से देवी दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है। साथ ही मानसिक एकाग्रता बढ़ती है और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। नवरात्रि में उपयोगी प्रमुख मंत्र- बीज मंत्रझ्र सर्वश्रेष्ठ और प्रभावशाली- ह्लॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चेह्व है। यह मंत्र शक्ति की देवी को प्रसन्न करने वाला सर्वश्रेष्ठ बीज मंत्र है। प्रतिदिन 108 बार जाप करने से साधक के जीवन से संकट, भय व रोग दूर होते हैं तथा दुर्गा सप्तशती के मंत्र- ह्लया देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता। मस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।ह्व मंत्र माता के विभिन्न रूपों को प्रणाम करता है। इसे प्रतिदिन की पूजा में तीन बार दोहराना चाहिए। कन्या पूजन का महत्व और विधि- नवरात्रि के अष्टमी या नवमी तिथि को कन्या पूजन का विधान है हिन्दू मान्यताओं के अनुसार कन्याओं में देवी के नौ रूप विद्यमान होते हैं। अतः दो से 10 वर्ष की आयु तक की नौ कन्याओं और एक बालक लंगूर स्वरूप को आमंत्रित कर उनके पांव धोकर आसन पर बैठाएं तथा हलवा, चना और खीर- पूड़ी का भोजन कराएं । तदुपरांत सभी कन्याओं का तिलक कर श्रद्धा अनुसार चुनरी, वस्त्र, किताबें, फल, दक्षिणा इत्यादि उपहार स्वरूप भेंट करें। हवन विधि और आरती का विशेष महत्व - हवन को देवी की पूजा का चरम रूप माना गया है। हवन कुंड में अग्नि प्रज्वलित कर आम की लकड़ी, गाय का घी, कपूर, गुड़, तिल, और हवन सामग्री डाल कर ह्लॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे स्वाहा" मंत्र उच्चारण करते हुए महविष्य अर्पित किया जाता है, जिससे वातावरण शुद्ध और सकारात्मक ऊर्जा का संचार के साथ रोग, दोष और बाधाओं का नाश होता है। आरती- प्रातः और संध्या देवी की आरती करने से वातावरण में भक्तिभाव और सकारात्मकता आती है। कुछ लोकप्रिय आरतियाँ- ह्लजय अम्बे गौरीह्व, ह्लओ दुर्गा माताह्व, ह्लजागो माता जागो भवानीह्व हैं। आरती के समय घंटी, घंटा और शंख का प्रयोग घर को ऊर्जावान बना कर नकारात्मकता को समाप्त करते हैं। नवरात्रि का वैज्ञानिक दृष्टिकोण- नवरात्रि के दौरान उपवास करने से तन व मन की शुद्धि होती है। विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। नवरात्रि का समय ऋतु परिवर्तन के साथ मेल खाता है, जो स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। सामूहिक रूप से ध्यान और पूजा करने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह शरीर के मेटाबॉलिज्म को सुधारता है और पाचनतंत्र को विश्राम देता है। व्रत के दौरान लिए जाने वाले हल्के और पौष्टिक आहार (जैसे मखाना, फल, मूंगफली) शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ाते हैं। व्रत से शरीर का तापमान संतुलित रहता है, जिससे मौसमी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। ध्यान, साधना और मंत्र जाप मस्तिष्क में सकारात्मक तरंगे उत्पन्न करते हैं, इससे ध्यान केंद्रित रहता है और मानसिक स्पष्टता बढ़ती है। सात्विक आहार,संयमित दिनचर्या और भक्ति भाव से तनाव में कमी आती है। इसलिए शक्ति की उपासना और आत्मा का शुद्धिकरण के लिए नवरात्रि व्रत में देवी के नौ स्वरूपों की पूजा करते हैं।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शक्ति और साहस का पर्व है नवरात्रि

नवरात्रि का मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा और आराधना के लिए समर्पित है जिन्हें शक्ति, साहस, और नारी सशक्तिकरण का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि का अर्थ है 'नौ रातें', और इस दौरान भक्त देवी दुर्गा की विशेष पूजा करते हैं, उपवास रखते हैं, और भक्ति में लीन रहते हैं। नवरात्रि का त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है।

वसन्त की शुरूआत और शरद ऋतु की शुरूआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है। नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने - कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि। नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है।

टिप्स

सोने से पहले पीएं ये वेट लॉस ड्रिंक्स, बाहर निकली हुई तोंद होगी अंदर

मोटापा आज के समय में महामारी बन गया है। अधिकतर लोग अपने बढ़े हुए वजन को कम करने की जद्दोजहद में जुटे हैं। इसके लिए वर्कआउट के साथ-साथ आपका खान-पान बहुत मायने रखता है। अगर रात को सोते समय हम भारी खाना खाते हैं या फिर देर रात की क्रेविंग्स की वजह से कुछ भी खा लेते हैं, तो इससे पेट में भारीपन और ब्लोटिंग का अहसास होता है। ऐसे में सुबह उठते ही लगता है कि पेट और भी ज्यादा फूला हुआ महसूस होता है। इससे छुटकारा पाने का एक आसान तरीका है नाइट ड्रिंक। अगर रात में सोने से पहले इन हर्बल या नेचुरल ड्रिंक का सेवन किया जाए तो ये पाचन को हल्का रखते हैं और मेटाबॉलिज्म को थोड़ा एक्टिव करते हैं और शरीर को आराम देकर नींद बेहतर बनाते हैं। इससे फैट स्टोर होने की संभावना कम होती है और ब्लोटिंग भी कंट्रोल होती है। इन नाइट ड्रिंक को बनाना काफी आसान है। बस रसोई में मौजूद कुछ चीजें जैसे नींबू, अदरक, दालचीनी या मेथी के दाने की मदद से आप इसे बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसी ही कुछ नाइट ड्रिंक के बारे में बता रहे हैं, जो निकली हुई तोंद को अंदर करने में आपकी मदद कर सकती हैं-

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

उपायुक्त ने किया फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल का निरीक्षण, विभागीय अधिकारियों को दिये कई निर्देश

संवाददाता

दुमका:जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की वर्तमान व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रबंधन व संबंधित विभागीय अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि यह अस्पताल जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ है, इसलिए इसे सुदृढ़ और सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कहा कि अस्पताल की बिल्डिंग इस वर्ष के अंत तक अधीक्षक को हैंडओवर कर दी जाए, ताकि संचालन की प्रक्रिया गति पकड़ सके। उन्होंने अस्पताल संचालन के लिए आवश्यक मेडिकल इक्विपमेंट की सूची तत्काल तैयार कर शीघ्र प्रोक्योरमेंट (खरीदारी) की प्रक्रिया शुरू करने का भी निर्देश दिया। उपायुक्त ने अस्पताल परिसर में पेयजल की समस्या को गंभीरता से लेते हुए तुरंत डीप बोरिंग करने का आदेश दिया। इसके अलावा उन्होंने बास्किचक से डेडिकेटेड पाइपलाइन बिछाकर अस्पताल तक स्थायी जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रस्ताव तैयार कर विभाग को भेजने के निर्देश दिए। विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए उपायुक्त ने कहा कि अस्पताल को सीधे परिसर के अंदर अधिष्ठापित ट्रांसफार्मर से बिजली उपलब्ध कराई जाए, ताकि निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।सुरक्षा व्यवस्था के संदर्भ में उपायुक्त ने फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आसपास नियमित पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने और सभी सीसीटीवी कैमरों को सुचारू रूप से चालू रखने का निर्देश दिया। उन्होंने अस्पताल में स्वच्छता और फायर सेफ्टी की स्थिति का भी निरीक्षण किया तथा अग्निशमन यंत्रों सहित अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने को कहा।उन्होंने स्पष्ट कहा कि मेडिकल कॉलेज के छात्रों की पढ़ाई किसी भी परिस्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल,अधीक्षक और बिल्डिंग कॉरपोरेशन के कार्यपालक अभियंता को आपसी तालमेल के साथ चरणबद्ध तरीके से अस्पताल संचालन प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का संकल्प

निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त ने श्री सिन्हा ने कहा किफूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ है।हम इसके प्रबंधन और सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए और भी सुदृढ़ बनाएंगे, ताकि लोगों को समय पर बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें। इस दौरान उपायुक्त ने फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल के छात्रों से भी बात की एवं उनकी समस्याओं को जाना।उपायुक्त ने कहा कि जल्द से जल्द आपकी समस्याओं को नियमानुसार ढंग से दूर किया जाएगा।आप अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री सिन्हा ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर वहां की सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल की बुनियादी ढाँचे को सुदृढ़ करने और आवश्यक संसाधनों को दुरुस्त करने के लिए ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया।

जिला स्तरीय मोटर दुर्घटना दावा ट्रिब्यूनल पर कार्यशाला

संवाददाता

साहिबगंज:झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार राँची के निर्देश पर, प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष अखिल कुमार के मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय परिसर के लोक अदालत कक्ष में जिला स्तरीय मोटर दुर्घटना दावा ट्रिब्यूनल पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें जिला भर के थाना प्रभारी और अनुसंधानकर्ता चिकित्सक, परिवहन विभाग के अधिकारी शामिल हुए।कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश संजय कुमार उपाध्याय ने कहा कि प्रत्येक थाना प्रभारी और पुलिस अधिकारी का कर्तव्य है कि मोटर दुर्घटना के पीड़ित परिवार को समय पर उचित मुआवजा मिले। ऐसा न करने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के कागजातों की जाँच डीटीओ से कराना अनिवार्य है। पुलिस अधिकारियों को दुर्घटना के बाद बीमा कंपनी को सूचित करना, समय पर रिपोर्ट जमा करना और वैध स्वीकृति प्रदान करना आवश्यक है। मुआवजे का मुख्य उद्देश्य पीड़ित परिवार को रोजगार और जीवनयापन के लिए सहायता प्रदान करना है।

जिला न्यायाधीश सह अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश तृतीय शेखर कुमार ने मोटर दुर्घटना कानूनों में हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के 30 दिनों के भीतर पुलिस को संबंधित कागजात न्यायालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। ऐसा न होने पर कोर्ट को सूचित करना होगा। उन्होंने थाना प्रभारियों से बेहतर कार्य करने की अपेक्षा जतायी। पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय विजय कुशवाहा ने बताया कि अब प्रत्येक अनुसंधानकर्ताओं को ई-डीएआर ऑनलाइन भरना आवश्यक है उसके भरने की पूरी प्रक्रिया को बताया । सड़क सुरक्षा अधिकारी श्री नीरज कुमार ने सड़क पर चलने के सुरक्षा तक सुरक्षा आत्मक उपाय के अलावा हिट एंड रन मामलों के बारे में किस तरह पीड़ित को मुआवजा मिलेगा विस्तार पूर्वक बताया ।कार्यक्रम में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सिंधु नाथ लमाये, सचिव विश्वनाथ भगत, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय विजय कुशवाहा, सड़क अभियंता, आईटी सहायक और अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

स्वच्छता ही सेवा के तहत नगर निगम ने किया स्वच्छ उत्सव कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

देवघर: भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के अंतर्गत देवघर नगर निगम ने शुक्रवार को स्वच्छ उत्सव कार्यक्रम का आयोजन डिवाइन पब्लिक स्कूल के परिसर में किया। इस अवसर पर नगर निगम के अधिकारियों की मौजूदगी में नगर आयुक्त के निदेशानुसार सहायक नगर आयुक्त गौरव कुमार एवं नगर प्रबंधक सतीश कुमार की देखरेख में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित की गईं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों और समाज को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराना और इसे एक जन-आंदोलन के रूप में मजबूत बनाना था। कार्यक्रम में शहर के कई नामी विद्यालयों के विद्यार्थी शामिल हुए, जिनमें मातृ मंदिर, सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, एमएस शिक्षा सभा स्कूल, सेंट मैरी स्कूल और डिवाइन पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राएँ शामिल थे। सभी विद्यालयों से आए विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस मौके पर ड्राइंग प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता और नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ड्राइंग प्रतियोगिता में बच्चों ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मनमोहक चित्र दीवाना बनाए। निबंध लेखन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वच्छ भारत मिशन, कचरा प्रबंधन और समाज में साफ-सफाई के महत्व पर अपने विचार रखे। वहीं, नृत्य प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने रंगारंग प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें स्वच्छता से जुड़े संदेशों को कला के माध्यम से व्यक्त किया गया। नगर निगम के अधिकारियों ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं बल्कि यह हम सभी की जिम्मेदारी है। यदि विद्यार्थी अपने परिवार और समाज में स्वच्छता का संदेश लेकर जाते हैं, तो आने वाले समय में स्वच्छ देवघर और स्वच्छ भारत का सपना साकार हो सकता है।इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने भी नगर निगम की पहल की सराहना की और कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों में न केवल रचनात्मकता का विकास होता है बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का बोध भी जागृत होता है। अंत में प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया और सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में नगर निगम के विभिन्न कर्मियों और विद्यालय परिवार का सहयोग सराहनीय रहा। डिवाइन पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल ममता किरण जी को निगम के अधिकारी ने विशेष आभार प्रकट किया

विभिन्न प्रतियोगिताओं में अव्वल आए विद्यार्थियों को नगर निगम के द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2025 के तहत सम्मानित किया जाएगा स्वच्छ उत्सव के जरिए विद्यार्थियों ने दिया स्वच्छता का प्रेरणादायी संदेश।

मांगों के समर्थन में झामसप्र का धरना, मजदूरों की समस्या को लेकर लगातार आवाज उठता रहा है झामसप्र: यादव

संवाददाता

साहिबगंज: अंचल कार्यालय तालझारी के समक्ष झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक मजदूरों की समस्या सहित 9 सूत्री मांगों को लेकर जिला अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव की अध्यक्षता में एक दिवसीय धरना दिया गया।धरना में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव,केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी मुख्य रूप से मौजूद थे। धरने को संबोधित करते हुए केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक मजदूरों की समस्या को लेकर लगातार आवाज उठते रहा है।श्री यादव ने कहा की मजदूर अपने हक और अधिकार के लिए हमेशा संघर्ष करते रहा है। उन्होंने कहा कि मजदूरों को सही समय पर राशन नहीं दिया जाता है,कहा की जन वितरण प्रणाली के विक्रेता से प्रभावित मजदूरों ने दो दिन का मोहलत देते हुए अंचलाधिकारी को इन बातों से भी अवगत करा दिया है कि यदि दो दिनों में हमें पिछले 3 माह का बाकाया राशन, राशन विक्रेता के द्वारा भूगतान नहीं किया गया तो मजदूर संघ दो दिन बाद चक्का जाम करेंगे,जिसकी जानकारी अधिकारियों को ससमय दे दिया जाएगा। धरने के बाद संघ अपनी मांग पत्र अंचलाधिकारी को सौपा। धरना में केन्द्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी,जिला अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव,जिला उपाध्यक्ष विपिन कुमार पंकज,जिला महामंत्री सह नगर संगठन प्रभारी मोहम्मद इमाम विश्वास,जिला कार्य मंत्री मोहम्मद जावेद अख्तर,ब्रह्मदेव यादव,सुमन कुमार यादव,मिथुन राजवंशी,रावण मूर्मू,राजेश यादव,सरिता देवी,मीना देवी,सरोनी देवी,हीरा मुनि देवी व अन्य उपस्थित थे।

जिला स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता वकील तथा सिम्पा ने लगाई सबसे ऊंची छलांग

संवाददाता

दुमकाः झारखंड शिक्षा परियोजना दुमका के तत्वावधान में दुमका के कमारदुधानी स्थित आउटडोर स्टेडियम में गत 23 सितंबर से जारी जिला स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता के अंतर्गत चौथे दिन शुक्रवार को 17 वर्ष से कम आयु के बालक एवं बालिकाओं के लिए कई प्रकार के ट्रैक और फील्ड एथलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजित की गई।

17 वर्ष से कम आयु के बालक वर्ग में 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में दुमका के साहिल कुमार दर्वे,शिकारीपाड़ा के सचिन मरांडी और जामा के अजय कुमार मंडल। 200 मीटर की दौड़ में शिकारीपाड़ा के सचिन मरांडी, जरमुंडी के वकील सोरेन तथा रानेश्वर के प्रशांत कुमार मुर्मू ।400 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में दुमका के अल्बानुष हेंब्रम,काठीकुंड के रूपलाल मरांडी तथा जरमुंडी के मनोज बेसरा ।800 मीटर दौड़ में दुमका के आनंद सोरेन तथा जरमुंडी के सुमन टुडू ।1500 मीटर दौड़ में रामगढ़ के सिकंदर मुर्मू ,दुमका के निखिल सोरेन तथा जरमुंडी के मनोज बेसरा। लंबी कूद प्रतियोगिता में जरमुंडी के वकील सोरेन, दुमका के साहिल कुमार दर्वे तथा गोपीकंदर के विजय मरांडी।भाला फेंक प्रतियोगिता में दुमका के प्रेम हेंब्रम,रामगढ़ के कारण कुमार मंडल तथा गोपीकंदर के पोलुस पावरिया। चक्का फेंक प्रतियोगिता में मसलिया के असित सोरेन,शिकारीपाड़ा के सोनत मरांडी तथा रानेश्वर के परितोष बास्की। गोलाफेंक प्रतियोगिता में दुमका के आवेश राजा, शिकारीपाड़ा के सुजल मुर्मू तथा सरैयाहाट के हर्ष कुमार,लंबी कूद प्रतियोगिता में दुमका के सौरभ कुमार दर्वे,मसलिया के आदित्य कुमार मुर्मू तथा जामा के सरजू कुमार ने क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्राप्त किया।

17 वर्ष से कम आयु के बालिका वर्ग के अन्तर्गत 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में दुमका की सोंपा दान,काठीकुंड की सुनीता मुर्मू तथा रानेश्वर की मौसमी मरांडी। 200 मीटर की दौड़ में काठीकुंड की सिम्पा मरांडी, सरैयाहाट की अर्चना कुमारी तथा जरमुंडी की नीरू सोरेन। 400 मीटर की दौड़ में काठीकुंड की शांति हेंब्रम, जामा की दिशा हांसदा तथा रामगढ़ की पूजा सोरेन। 800 मीटर की दौड़ में रामगढ़ की आरती किस्कू, दुमका की आस्मिन मुर्मू तथा जरमुंडी की चमेली सोरेन ।1500 मीटर की दौड़ में दुमका की ऋतु टुडू,रानेश्वर की सीमा हांसदा तथा रामगढ़ की अंजलि टुडू। ऊंची कूद प्रतियोगिता में काठीकुंड की सिम्पा मरांडी,शिकारीपाड़ा की मार्सिला हेंब्रम तथा दुमका की सुशीला सोरेन। भाला फेंक प्रतियोगिता में रामगढ़ की रीना मुर्मू, काठीकुंड की शांति हेंब्रम तथा रानेश्वर की धनी मारंडी।चक्का फेंक प्रतियोगिता में सरैयाहाट की भानुप्रिया तथा दुमका की संजीता हेंब्रम। गोला फेंक प्रतियोगिता में रामगढ़ की रीना मुर्मू,शिकारीपाड़ा की मर्शिला हेंब्रम तथा कठीकुंड की सुनीता मरांडी ने क्रमशः स्वर्ण रजत और कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

विजेताओं को झारखंड शिक्षा परियोजना के सहायक कार्यक्रम प्रबंधन विभाष चंद्र महतो ने मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

आयोजन की सफलता में शिक्षक मदन कुमार सहित शारीरिक शिक्षक क्रमशः ज्ञान प्रकाश ठाकुर,सुमन कुमार, मो.मोइम अंसारी, अरका घोष, कुलदीप सिंह,कुमार नवनीत,पप्पू कुमार यादव,राजेश कुमार सरोज, सुरेन्द्र कुमार, सुदीप्ता किस्कू,उषा किरण टुडू,मलय कुमार मंडल,सचिन कुमार,पाले खां,रेशु आनंद,संतोष कुमार पटेल,सुमित राय, राकेश कुमार यादव, संजीव कुमार, रामानंद घोष, प्रीतम मरांडी,उत्पल पाल, गीता हांसदा, अनीता हांसदा, मानवेन्द्र कुमार, श्रीकांत सहाय,षष्ठीपद मंडल, काजल हाजरा,शिवम शुक्ला,अरका प्रसाद साहा, गिरिजा शंकर प्रसाद,शिवम कुमार राय,अनीश मिश्रा, सुहागिनी मुर्मू, हरिशंकर सिंह,शक्ति भूषण,अलका कुमारी,सुरंजना घोष,शिवराम सिमोन टुडू,जोसेफ मुर्मू,असीम हेम्ब्रम, सुमन एलेक्सियस टुडू,परितोष खां, डॉ.आशीष दुबे,संपद मंडल, सुब्रतो घोष तथा सुरेश टुडू व अन्य की भूमिका उल्लेखनीय रही ।

न्यूज IN ब्रीफ

एमएसएमई इकाइयों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उद्यमिता पंजीकरण सह जागरूकता शिविर

दुमका: झारखंड सरकार के उद्योग विभाग एवं झारखंड औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम द्वारा एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता और प्रदर्शन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विश्व बैंक समर्थित रैंप कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को जिला उद्योग केंद्र, दुमका के सभागार कक्ष में उद्यमिता पंजीकरण सह जागरूकता शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य जिले के नवोदित एवं मौजूदा उद्यमियों को औपचारिक रूप से एमएसएमई इकाइयों के रूप में पंजीकृत करना, पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना, एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराते हुए उन्हें लाभान्वित करना था। शिविर में भाग लेने वाले उद्यमियों को ऑनलाइन उद्यम पंजीकरण की प्रक्रिया के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी दी गई। शिविर के दौरान कुल 21 उद्यमियों ने ऑन स्पॉट पंजीकरण कराया, जो कि जिले में औपचारिक एमएसएमई इकाइयों की संख्या बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस अवसर पर जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक दास कुमार एक्का ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि, एमएसएमई क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अहम योगदान निभाते है। उनके द्वारा बताया गया कि डीआईसी एमएसएमई के लिए वन-स्टॉप-शॉप के रूप में कार्य करते हैं, जो उन्हें प्रभावी ढंग से स्थापित होने, बढ़ने और प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक संसाधन, मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान करते हैं। उनके द्वारा विभाग द्वारा संचालित योजनाएं जैसे- प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के बारे में प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी देते हुए इनका लाभ उठाने हेतु प्रतिभागियों को प्रेरित किये। जिला कार्यक्रम प्रबंधक,जेएस एलपीएस. निशांत एक्का ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप विलेज, इन्टरप्रेन्योरशिप, वन स्टॉप सुविधा , माइक्रो इन्टरप्राइजेज डेवलपमेंट जैसे योजनाओं को बढ़ावा देने हेतु जेएसएलपीएस. द्वारा क्रियान्वित योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसानों, महिला समूहों एवं युवाओं के लिए स्वरोजगार के कई अवसर सुलभ हैं, जिन्हें एमएसएमई के साथ जोड़कर विस्तारित किया जा सकता है। जिला अग्रणी प्रबंधक, इंडियन बैंक, दुमका आशुतोष सिंह के द्वारा बैंक से संबंधित विभिन्न प्रकार के एमएसएमई योजना के तहत लोन एवं सब्सिडी के संबंध में जानकारी दी गई। उनके द्वारा लोन से संबंधित प्रकिया, आवश्यक दस्तावेज, नियम एवं शर्त आदि के बारे में जानकारी दी गई है. साथ ही कैम्प में उपस्थित सभी उद्यमियों को उद्यमिता के साथ साथ रोजगार सृजन हेतु प्रोत्साहित किए. खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, दुमका के द्वारा उपस्थित उद्यमियों को खाद्य पदार्थ संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। उनके द्वारा एफएसएस. एआई. लाइसेंस की अनिवार्यता एवं निबंधन कि प्रक्रिया आदि के बारे में विस्तृत जानकारी उपस्थित उद्यमियों को दी गयी.
अध्यक्ष/सचिव, चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, दुमका के द्वारा बताया गया कि दुमका जैसे पिछड़े जिले में औद्योगीकरण एवं रोजगार सृजन के अवसर उपलब्ध हैं। युवा उद्यमियों कि इस दिशा में पहल करनी चाहिए। उनके द्वारा बताया गया कि दुमका जिला में उद्योग स्थापना या संचालन हेतु किसी प्रकार कि कोई कठिनाई हो या अन्य सहायता के लिए प्रतिभागी संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर ईओडीबी मैनेजर, जिला उद्योग केंद्र दुमका मनोज कुमार प्रमाणिक ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि, एमएसएमई क्षेत्र देश के आर्थिक विकास की रीढ़ है। उनके द्वारा जिले में एमएसएमई के विकास कि संभावनाओं के बारे में प्रकाश डाला तथा उद्यम निबंधन कि प्रक्रिया एवं इसके लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उनके द्वारा कहा गया कि इस प्रकार के जागरूकता शिविरों के माध्यम से न केवल पंजीकरण को बढ़ावा मिलता है, बल्कि दुमका जिले में स्वरोजगार और उद्यमिता को भी बल मिलता है।

11 माह के मानदेय भुगतान को लेकर जल सहियाओं ने दिया धरना

साहिबगंज: मानदेय भुगतान को लेकर जिले की तमाम जल सहियाओं ने शुक्रवार को पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया।जल सहियाओं ने प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को मांगपत्र भी सौंपा। जल सहिया के अध्यक्ष माला कुमारी यादव ने बताया कि उन लोगो का 11 माह का मानदेय 29000 रुपए और मोबाइल का 12000 रुपए का भुगतान विभाग से नहीं किया जा रहा है।इसके लिए कई बार विभाग के कार्यपालक अभियंता से मिलकर भुगतान करने का आग्रह किया गया,पर हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला।वही सभी जल सहिया ने जल्द राशि भुगतान की मांग की है।मौके पर जलसहिया संघ की अध्यक्ष माला कुमारी यादव,प्रखण्ड सचिव ललिता सिंह,पूनम सिंह,सविता देवी,संतोषी देवी,किरण देवी,शीला देवी,रेखा देवी सहित अन्य मौजूद थीं।

वोट चोरी रोकने को लेकर कांग्रेस ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

साहिबगंज/बरहरवा: प्रखंड के रूपेशपुर और बिंदुपाड़ा पंचायत में कांग्रेस की ओर से वोट चोरी रोकने को लेकर शुक्रवार को हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू ने की।इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने कहा कि लोकतंत्र की नींव हर वोट की ताकत पर टिकी है,लेकिन मतदाता सूची में गड़बड़ियों और मनमानी विलोपन से यह नींव कमजोर की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि लाखों प्रविष्टियाँ अधूरी हैं,कई नाम डुप्लीकेट दर्ज हैं और असली मतदाताओं के नाम सूची से गायब कर दिए गए हैं। कुछ समुदायों को चुन-चुन कर निशाना बनाया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक अधिकारों की खुली अवहेलना है। कार्यक्रम में ओम प्रकाश,प्रशांत कुमार दास,जहांगीर शेख,तौफीक शेख,मोहम्मद अंसारी,अमीरूल हुसैन,सफातुल्लाह शेख,जहरुल खान,बाबुल खान,अकबर खान,जनरल शेख,अख्तरुल इस्लाम,पिंटू मंडल,अशोक कोटियाल समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे।
कांग्रेस की प्रमुख मांगें : मशीन रीडेबल मतदाता सूची फोटो सहित सार्वजनिक की जाए, हर चुनाव से पहले जोड़ और विलोपन की सूचियाँ तस्वीरों सहित जारी हों। नाम गलत हटने पर शिकायत निवारण प्रणाली बने।अंतिम समय पर नाम जोड़ने,हटाने की प्रक्रिया रोकी जाए और स्पष्ट कट-ऑफ तिथि तय हो, मतदाता दमन में शामिल अधिकारियों एजेंटों पर सख़्त कानूनी कार्रवाई हो।

प्रखंड कांग्रेस मुख्यालय में धूमधाम से मनाई गई डॉ.मनमोहन सिंह की जयंती

साहिबगंज/बरहरवा:-भारत के पूर्व प्रधानमंत्री,दूरदर्शी अर्थशास्त्री एवं काँग्रेसी नेता डॉ.मनमोहन सिंह की जयंती शुक्रवार को बरहरवा कांग्रेस अस्थायी कार्यालय,बशीर गैरेज राजमहल रोड में प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू की अध्यक्षता में आयोजित कर मनाई गई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरा विश्व भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को याद कर रहा है। इसी क्रम में बरहरवा प्रखंड कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी उनकी जयंती मनाई। अपने संबोधन में श्री खान ने डॉ. सिंह के जीवन एवं योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मनमोहन सिंह एक भारतीय अर्थशास्त्री,नौकरशाह, शिक्षाविद और राजनेता थे।उन्होंने 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। जवाहरलाल नेहरू,इंदिरा गांधी के बाद वे चौथे सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर आसीन रहे।भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य डॉ.सिंह भारत के पहले और अब तक के एकमात्र सिख प्रधानमंत्री थे। साथ ही नेहरू के बाद वे ऐसे पहले प्रधानमंत्री बने जिन्होंने लगातार दो पूर्ण कार्यकाल पूरे किए। इस अवसर पर प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास,मनोज घोष,नेहाल अख्तर,थॉमस रॉबर्ट,मिथुन मंडल, संतोष झा,संतोष राम,छोटे लाल रामानी,बिष्णु मॉल,मो.अहमद,राजू, अजीत कुमार रॉय समेत अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

सोहम शाह की फिल्म तुम्बाड 2 पर आया अपडेट

फिल्म तुम्बाड के सीक्वल का आधिकारिक ऐलान हो चुका है। अभिनेता और निर्माता सोहम शाह ने अपनी कंपनी सोहम शाह फिल्म्स के बैनर तले पेन स्टूडियोज के साथ हाथ मिलाया है। जयंतीलाल गड़ा के नेतृत्व वाली यह कंपनी तुम्बाड 2 का निर्माण करेगी। साल 2018 में रिलीज हुई तुम्बाड को शुरुआत में सीमित दर्शक ही मिले थे, लेकिन हाल ही में फिल्म को दोबारा थिएटर में उतारा गया और इसे बड़ी सफलता प्राप्त हुई। अब अगले साल तक इसके सीक्वल की शूटिंग शुरू हो जाएगी।

तुम्बाड के सीक्वल का हुआ ऐलान

सोहम शाह और जयंतीलाल गड़ा ने तस्वीर साझा की हैं, जिसके कैप्शन में एक्टर ने लिखा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सोहम शाह फिल्म्स, तुम्बाड यूनिवर्स के अगले अध्याय के लिए जाने-माने फिल्म मेकर डॉ जयंतीलाल गड़ा के पेन स्टूडियो के साथ हाथ मिला रहा है। इस सहयोग से तुम्बाड 2 सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि दुनिया भर में रिलीज होने वाली कहानी है जो कला का जश्न मनाने और एक अविस्मरणीय सिनेमैटिक अनुभव देने का एक वादा करती है। यह यात्रा शुरू होती है!

आरआरआर जैसी फिल्में बना चुका पेन स्टूजियोज

फिल्म तुम्बाड के बाद अब इसके सीक्वल के साथ फिल्मकार एक बार फिर दर्शकों को उसी रहस्यमय यूनिवर्स में ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। तुम्बाड 2 को लेकर बताया गया है कि इसका निर्माण अगले साल की शुरुआत से शुरू होगा। पेन स्टूडियोज इससे पहले आरआरआर और गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी बड़ी फिल्मों को पर्दे पर उतार चुका है।

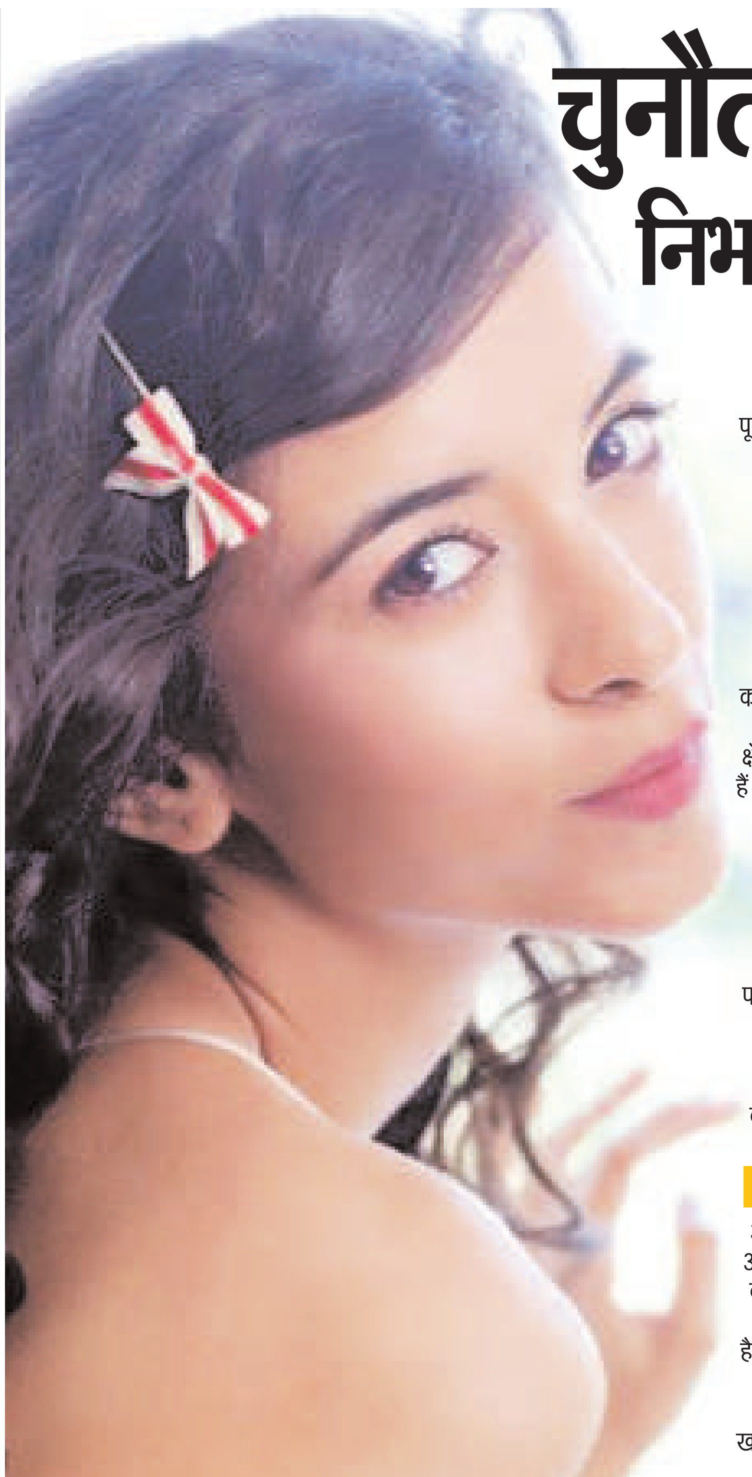

चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहती हैं सबा

सबा आजाद बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने अपने अब तक के करियर में अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उनका मानना है कि उन्हें उस तरह के किरदार पसंद हैं, जहां उन्हें पूरी तरह से ढलना पड़े। अब सबा आजाद ने अपने करियर, परिवार और किरदारों को लेकर बात की।

मुझे मुश्किल किरदार निभाना पसंद है

बातचीत के दौरान सबा ने बताया कि उन्हें चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना पसंद है। वो अपने करियर में अलग तरह के किरदार निभाना चाहती हैं। सबा ने कहा कि मेरे जैसे शहर में रहने वाले किसी व्यक्ति का किरदार निभाना मेरे व्यक्तित्व से बहुत अलग नहीं है। लेकिन किसी के सफर का हिस्सा बनना, उसकी दुनिया में कदम रखना, यह मुझे उत्साहित करता है। मैं इस तरह के किरदारों में पूरी तरह डूब सकती हूं। मुझे ऐसी महिलाएं पसंद हैं जो अपने क्षेत्र की मालिक होती हैं, जो अपनी जगह बनाने के लिए निडर होती हैं। इस तरह की ऊर्जा में कुछ शक्तिशाली होता है और मुझे इसे पर्दे पर उतारने में मजा आता है।

शादी के लिए माता-पिता ने नहीं डाला दबाव

सबा पिछले काफी वक्त से अभिनेता ऋतिक रोशन के साथ रिलेशनशिप में हैं। अक्सर दोनों की शादी को लेकर भी सवाल उठते रहते हैं। अब अपनी व्यक्तिगत जिंदगी और शादी की प्लानिंग पर सबे ने कहा कि मैं एक ऐसे परिवार में पली-बढ़ी हूं जहां शादी कभी भी सब कुछ नहीं रही। छह साल की उम्र में, मेरे माता-पिता ने मुझसे कहा कि बेटा, अगर तुम नहीं चाहती तो तुम्हें शादी करने की जरूरत नहीं है। इसलिए मुझे अपने परिवार से कभी भी इस बात का कोई दबाव महसूस नहीं हुआ कि मुझे अपनी जिंदगी कैसे जीनी है।

टाइपकास्ट होना इंडस्ट्री में हमेशा से संघर्ष रहा

अभिनेत्री ने टाइपकास्ट होने पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मुझे अक्सर शहरी किरदारों में बांध दिया जाता है। लोग मुझसे पूछते हैं, क्या तुम हिंदी भी बोल सकती हो? और मैं कहती हूं, बिल्कुल बोल सकती हूं। रूढ़िवादिता से बाहर निकलना हमेशा एक चुनौती होती है। इसलिए जब कोई निर्देशक कुछ अलग तरह से सोचता है तो यह एक तोहफा होता है। टाइपकास्टिंग के खिलाफ संघर्ष एक ऐसा संघर्ष है जिसका सामना ज्यादातर कलाकार करते हैं। आप किसी खास भूमिका में खुद के बारे में सोचने के लिए किसी पर निर्भर होते हैं, और कभी-कभी आपको मनचाहा काम नहीं मिलता।

अनुराग कश्यप की बंदर का हिस्सा हैं सबा

सबा को आखिरी बार फिल्म 'सॉन्स ऑफ पैराडाइज' में देखा गया था। ओटीटी पर रिलीज हुई इस फिल्म में उनके साथ सोनी राजदान भी प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। सबा अनुराग कश्यप की टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जाने वाली फिल्म 'बंदर' का भी हिस्सा है।

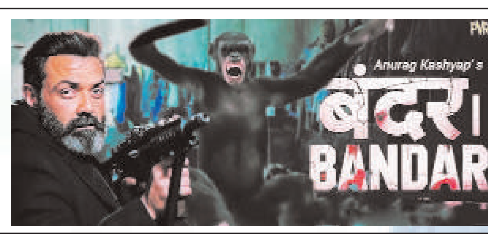

जारी हुआ हक का टीजर, दमदार किरदार में नजर आए इमरान हाशमी और यामी गौतम

इमरान हाशमी और यामी गौतम की अदाकारी वाली अपकमिंग फिल्म हक का टीजर रिलीज हो गया है। इसमें एक ऐसी महिला की कहानी दिखाई गई है जो अपने पति से परेशान है। उसके हक को दबाया जा रहा है। वह इंसाफ की मांग कर रही है। वह सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची है। वह अदालत से कहती है कि उसे उसका हक दिया जाए।

हक की लड़ाई

टीजर में दिखाया गया है कि इमरान हाशमी का उनकी पत्नी यामी गौतम से विवाद हो जाता है। इसके बाद यामी गौतम उनके ऊपर कई इल्जाम लगाती हैं। यामी गौतम इंसाफ के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाती हैं। यहां इमरान हाशमी और यामी गौतम में टकराव होता है।

शाह बानो केस पर आधारित है फिल्म

यामी गौतम, बानो और इमरान हाशमी द्वारा उनके पति की भूमिका में अभिनीत यह फिल्म 1970 के दशक के अंत और 1980 के दशक की शुरुआत में भारत की सबसे चर्चित कानूनी लड़ाइयों में से एक पर आधारित है। टीजर में उस मुकदमे को दर्शाया गया है जो भारतीय समाज में न्याय और धर्मनिरपेक्ष कानून पर चर्चा को गति देता रहता है।

फिल्म के बारे में

फिल्म हक मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम मामले में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले पर आधारित है। शुपर्ण एस वर्मा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 7 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। यह फिल्म जंगली पिक्चर्स द्वारा निर्मित, इनसोम्निया फिल्म्स और बावेजा स्टूडियोज के सहयोग से बनी है।

बॉलीवुड पॉलिटिक्स का शिकार हुईं अमृता

अमृता राव हाल ही में अक्षय कुमार-अरशद वारसी की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आईं हैं। अमृता ने साल 2003 में शाहिद कपूर के साथ फिल्म 'इश्क विश्क' से अपने करियर की शुरुआत की थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी और अमृता रातोंरात स्टार बन गई थीं। हालांकि, अब अमृता ने बताया कि पहली फिल्म हिट होने के बाद वो इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स का शिकार हुईं। एक्ट्रेस ने अपने साथ हुए पुराने घटनाक्रमों को याद किया।

मैगजीन के कवर फोटो से फोटोशॉप हुईं अमृता

यूट्यूबर और कंटेंट क्रिएटर रणवीर अल्लाहबादिया के 'द रणबीर शो' पर अमृता ने करियर के शुरुआती दिनों में हुई राजनीति को याद किया। बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया, 'मुझे याद है जब इश्क विश्क रिलीज हुई थी, तब शाहिद और मैंने फेस ऑफ द ईयर, सुपरस्टार ऑफ टुमॉरो या ऐसा ही कोई अवॉर्ड जीता था। उस मैगजीन के कवर पेज के लिए एक फोटोशूट होना था। मैं अवॉर्ड के साथ बैठी थी। शाहिद मेरे पीछे अवॉर्ड के साथ खड़े थे। दोनों तरफ दो सुपरस्टार अभिनेत्रियां बैठी थीं। एक और बहुत ही मशहूर अभिनेता और एक अभिनेत्री थीं, जो बहुत ही मशहूर थीं। कवर पेज का लेआउट कुछ ऐसा ही था। हम बहुत खुश और रोमांचित थे। मैं सोच रही थी, मेरा पहला कवर यहां आने वाला है। लेकिन जब मैंने कवर देखा तो सब कुछ फोटोशॉप किया हुआ था। मुझे बैकग्राउंड में ले जाया गया था और कोई अन्य फोरग्राउंड में था।'

हर जगह होती है राजनीति

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि यह कवर देखकर मैं हैरान थी। क्योंकि कवर बिल्कुल भी ऐसा नहीं दिखना चाहिए था। ऐसी चीजें पहले भी हो चुकी हैं। इसके अलावा भी बहुत सी ऐसी चीजें होंगी, जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं होगा। अमृता ने कहा कि पहले मुझे बहुत बुरा लगता था। मैं पूछती थी कि मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है। लेकिन अब मैं कह सकती हूं कि राजनीति हर जगह है। स्कूलों में, कॉलेजों में, यहां तक कि आपकी सोसाइटी की बैठकों में भी। इसलिए आपको खुद को राजनीति से निपटने के लिए तैयार करना होगा। बाहर की दुनिया हमेशा आपको नीचे गिराने की कोशिश करती रहती है।

पतले होने पर उड़ाया गया मजाक

इस दौरान अभिनेत्री ने एक और किस्से को याद करते हुए बताया कि जब मैंने इंडस्ट्री में कदम रखा था, तो मुझे बहुत पतली होने के लिए डांटा जाता था। अमृता ने अपनी मौसी की सलाह याद की कि जब वह पतली थीं तो उनका मजाक उड़ाया जाता था, लेकिन जब उनका वजन बढ़ा, तो उसके लिए भी उनका मजाक उड़ाया गया। जब उनका वजन आदर्श था, तब किसी ने उनकी तारीफ नहीं की।

'जॉली एलएलबी 3' में नजर आई हैं अमृता

'इश्क-विश्क' से अपनी शुरुआत करने वाली अमृता ने अपने करियर 'मैं हूं ना', 'विवाह' और 'जॉली एलएलबी' जैसी कई हिट फिल्में भी की हैं। हालांकि, उनका करियर कुछ खास नहीं रहा। हाल ही में अमृता अक्षय कुमार और अरशद वारसी की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आई हैं। इसमें उन्होंने जॉली त्यागी यानी अरशद वारसी की पत्नी का किरदार निभाया है। इस फिल्म को भी दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है।

सऊदी प्रो लीग: रोनाल्डो और सादियो माने के गोल से अल नास्त्र ने अल इत्तिहाद को 2-0 से हराया

एजेंसी

जेद्दा : सऊदी प्रो लीग के शीर्ष मुकाबले में अल नास्त्र ने शनिवार को मौजूदा चैम्पियन अल इत्तिहाद को 2-0 से मात दी। टीम की ओर से क्रिस्टियानो रोनाल्डो और सादियो माने ने गोल दागे। इस जीत के साथ अल नास्त्र ने चार मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान बनाए रखा, जबकि अल इत्तिहाद नौ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में घरेलू दर्शकों के शानदार टिफो और गगनभेदी नारों के बावजूद अल इत्तिहाद शुरूआत से ही दबाव में दिखा। मैच की पहली सीटी से ही अल नास्त्र ने खेल पर कब्जा जमाना शुरू कर दिया। मैच के 9वें मिनट में किंग्सले कोमन ने दाईं विंग से शानदार क्रॉस किया। गेंद पर दौड़ते हुए पहुंचे माने ने बैक पोस्ट पर बेहतरीन वॉली लगाकर अल नास्त्र को 1-0 की बढ़त दिलाई। 14वें मिनट में रोनाल्डो ने कोमन के क्रॉस पर हेडर से गोल करने का मौका गंवा दिया, लेकिन 35वें मिनट में उन्होंने चूक नहीं की। इस बार माने ने क्रॉस दिया और रोनाल्डो ने पास को सटीक हेडर से गोल में तब्दील कर स्कोर 2-0 कर दिया। करीम बेंजेमा ने स्टीवन बर्गवाइन को कुछ मौकों पर गेंद पहुंचाई, मगर वह मौके का फायदा नहीं उठा सके। दूसरे हाफ में अल नास्त्र ने खेल की रफ्तार धीमी की, लेकिन आक्रमण जारी रखा। जोआओ फेलिक्स को गोल करने के कई मौके मिले, मगर वह नाकाम रहे। 39वें मिनट में माने के क्रॉस पर उनका शॉट बार के ऊपर चला गया। 58वें मिनट में नवाफ बोउशल ने रोनाल्डो को खाली गोल पर पास दिया, लेकिन पुर्तगाली स्टार गेंद को बार के ऊपर मार बैठे। यह मैच का सबसे आसान और बड़ा मौका था। इसके बावजूद अल नास्त्र ने दो गोल की बढ़त बरकरार रखी और जीत दर्ज की। अल इत्तिहाद का घरेलू मैदान पर 19 मैचों से चला आ रहा अजेय क्रम भी इस हार के साथ टूट गया।

एशिया कप फाइनल से पहले भारत को झटका, हार्दिक पंड्या की फिटनेस पर संशय, अभिषेक शर्मा ठीक

नई दिल्ली : दुबई में श्रीलंका के खिलाफ शुक्रवार को खेले गए सुपर फोर मुकाबले की दूसरी पारी के दौरान अभिषेक शर्मा और हार्दिक पंड्या दोनों को ऐंठन की समस्या के चलते मैदान से बाहर रहना पड़ा। जहां अभिषेक अब पूरी तरह फिट नजर आ रहे हैं, वहीं हार्दिक की स्थिति का आकलन शनिवार को किया जाएगा, ताकि रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले एशिया कप फाइनल के लिए फैसला लिया जा सके। भारत के गेंदबाजी कोच मॉर्ने मोर्केल ने शुक्रवार को मैच के बाद कहा, ѕहार्दिक की स्थिति का आकलन किया जाएगा और उसके बाद फैसला लिया जाएगा। अभिषेक ठीक हैं। दोनों ही केवल ऐंठन से जूझ रहे थे। हार्दिक पंड्या गेंदबाजी का सिर्फ एक ही ओवर फेंककर मैदान से बाहर चले गए, जबकि अभिषेक ने 9.2 ओवर तक फील्डिंग की और फिर उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। अभिषेक ने इस मैच में 31 गेंदों पर 61 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली और एक बार फिर भारत के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज साबित हुए। हालांकि सुपर ओवर के दौरान वे बल्लेबाजी करने नहीं उतरे और उनकी जगह शुभमन गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मैच खत्म किया। भारत और श्रीलंका के बीच खेले गए इस सुपर फोर मुकाबले का अंत शुक्रवार देर रात हुआ और फाइनल रविवार को होना है। ऐसे में टीम इंडिया ने शनिवार को अभ्यास सत्र न करने का फैसला लिया है। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने शनिवार शाम 6 से 9 बजे तक आईसीसी अकादमी में अभ्यास निर्धारित किया है। मोर्केल ने कहा, ѕलड़कों के लिए आराम सबसे अहम है। वे सभी बर्फ के बाथ ले रहे हैं और रिकवरी तुरंत शुरू हो गई है। सबसे अच्छी रिकवरी नींद से होती है और पैरों को आराम देने से मिलती है।

एशिया कप: सुपर ओवर में भारत ने श्रीलंका को हराया, निसंका का शतक व्यर्थ

एजेंसी

दुबई : एशिया कप 2025 के सुपर-4 चरण का अंतिम मैच भले ही अंकतालिका पर कोई असर डालने वाला नहीं था, लेकिन रोमांच और उतार-चढ़ाव ने इसे टूर्नामेंट का सबसे यादगार मुकाबला बना दिया। दुबई में शुक्रवार देर रात तक चले इस हाई-स्कोरिंग मैच में भारत और श्रीलंका दोनों ने 20-20 ओवरों में 202 रन बनाए। नतीजा सुपर ओवर पर गया, जहाँ श्रीलंका केवल 2 रन ही बना सका और भारत ने आसानी से जीत दर्ज कर ली।

भारत की पारी – अभिषेक शर्मा की तूफानी शुरूआत

भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की और पावरप्ले में ही 71 रन जड़ दिए। शुभमन गिल जल्दी आउट हुए, लेकिन अभिषेक शर्मा (61, 22 गेंदों में अर्धशतक) ने एक बार फिर विस्फोटक अंदाज दिखाया। बीच के ओवरों में सूर्यकुमार यादव असफल रहे, पर संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने साझेदारी निभाकर रन गति को बनाए रखा। आखिरी ओवरों में अक्षर पटेल के छक्के और तिलक वर्मा (नाबाद 49) की समझदारी भरी पारी ने भारत को 202/5 तक पहुँचा दिया।

श्रीलंका की पारी – निसंका का शतक और जुझारू साझेदारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने भी जोरदार शुरूआत की। पावरप्ले में 72 रन जुड़ गए। पथुम निसंका (107, 58 गेंद) और कुसल परेरा (58) ने 127 रन की रिकॉर्ड साझेदारी कर भारत पर दबाव बना दिया। हालांकि, मध्य ओवरों में कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने विकेट निकालकर वापसी कराई। अंतिम ओवर में श्रीलंका को 12 रन चाहिए थे। निसंका पहली गेंद पर आउट हो गए, लेकिन दासुन शनाका ने आखिरी गेंद तक संघर्ष किया और मैच बराबरी पर खत्म हुआ।

सुपर ओवर –श्रीलंका का बिखराव, भारत की आसान जीत

सुपर ओवर में श्रीलंका की शुरूआत खराब रही। कुसल परेरा पहली गेंद पर आउट हो गए और दासुन शनाका भी तुरंत चलते बने।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज विदिशा जिले के कुरवाई में करेंगे 258 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज (शनिवार को) विदिशा जिले के कुरवाई में 258.10 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण करेंगे। साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में हितलाभ वितरण, प्रबुद्धजनों और आमजनों से संवाद कर कार्यक्रम स्थल पर लगी विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में विदिशा, कुरवाई, सिरोंज, शमशाबाद और गंजबासौदा विधानसभा के लिए 92.70 करोड़ रुपये की लागत के 46 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और 165.40 करोड़ रुपये की लागत के 34 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास कर जनसभा को संबोधित करेंगे।

मप्रः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज विदिशा और शिवपुरी जिले के प्रवास पर

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शनिवार को विदिशा और शिवपुरी जिले के प्रवास पर रहेंगे। मुख्यमंत्री विदिशा जिले के कुरवाई में 258.10 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण करेंगे। साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में हितलाभ वितरण, प्रबुद्धजनों और आमजनों से संवाद कर कार्यक्रम स्थल पर लगी विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन करेंगे।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर 12 बजे भोपाल से हेलीकाप्टर द्वारा रवाना होंगे और दोपहर 12.30 बजे से कुरवाई के शासकीय महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर हितग्राहियों को हितलाभ व निर्माण कार्यों का लोकार्पण, शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में विदिशा, कुरवाई, सिरोंज, शमशाबाद और गंजबासौदा विधानसभा के लिए 92.70 करोड़ रुपये की लागत के 46 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और 165.40 करोड़ रुपये की लागत के 34 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास कर जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके पश्चात वे दोपहर 2.30 बजे रूसिया हेलीपेड पर पहुंचकर हेलीकाप्टर से शिवपुरी के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री शिवपुरी जिले के नरवर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज दोपहर 3.15 बजे हैलीकॉप्टर द्वारा शिवपुरी जिले के नरवर पहुंचेंगे और यहां स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के पश्चात हैलीकॉप्टर द्वारा शाम 5.40 बजे ग्वालियर विमानतल पधारेंगे। कुछ देर रुकने के पश्चात मुख्यमंत्री वायुयान द्वारा ग्वालियर से भोपाल के लिये प्रस्थान करेंगे।

विश्व पर्यटन दिवस पर मुख्यमंत्री सुक्खू ने पर्यटकों को दिया हिमाचल आने का न्योता

एजेंसी

शिमला : विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने प्रदेशवासियों एवं पर्यटकों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश अपनी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने जानकारी दी कि हिमाचल प्रदेश का स्नो कवर क्षेत्र स्विट्ज़रलैंड से भी अधिक है, जो इसे शीतकालीन पर्यटन के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाता है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश का लगभग 68 प्रतिशत भू-भाग वन आच्छादित है, जिसके कारण इसे उत्तर भारत के फेफड़े यानी के रूप में जाना जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा, ₹यहाँ का शांत और स्वच्छ वातावरण पर्यटकों को न केवल प्रकृति से जोड़ता है, बल्कि उन्हें आत्मीयता और अपनत्व का एहसास भी कराता है।₹ उन्होंने प्रदेश की संस्कृति में रचे-बसे ह्यअतिथि देवो भवःह्व के भाव को दोहराते हुए कहा कि देवभूमि हिमाचल पर्यटकों का दिल से स्वागत करती है। मुख्यमंत्री ने सभी से आग्रह किया कि वे पर्यटन को टिकाऊ, स्वच्छ और समावेशी बनाएं, जिससे प्रदेश की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर को लंबे समय तक संरक्षित रखा जा सके।

उत्तर कर्नाटक में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

एजेंसी

बैंगलोर : उत्तरी कर्नाटक के कुछ जिलों में भारी बारिश से सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और कई स्थानों पर बाढ़ आ गई है। पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण उजनी और वीरा जलाशयों से भीमा नदी में 2.90 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जिससे विजयपुरा जिले में भीमा नदी बेसिन में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। सिंदगी के दमकल कर्मियों ने अलमेला तालुका के थावरखेड़ा गाँव में नदी में फंसे 8 लोगों को नाव की मदद से बचाया। कलबुर्गी जिले में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए जिला कलेक्टर ने स्कूलों में दो दिन की छुट्टी घोषित कर दी है। बच्चों की

सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एहतियाती कदम उठाते हुए यह फैसला लिया गया है। डीडीपीआई सूर्यकांत मदने ने एक परिपत्र जारी कर इस आदेश को लागू किया है। भारी बारिश को देखते हुए जिले में पहले ही ऑरेंज अलर्ट घोषित कर दिया गया है। हालाँकि दशहरा की छुट्टियों के दौरान कुछ स्कूलों को छूट दी गई है, लेकिन बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बाकी स्कूलों को दो दिन की छुट्टी दी गई है। आने वाले दिनों में छुट्टियों के दौरान पढ़ाई को समायोजित करने की सलाह दी गई है। महाराष्ट्र के उजनी और वीरा जलाशयों से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण भीमा नदी का जलस्तर खतरनाक स्तर पर पहुँच गया है। देवनगांव स्थित अंजनेय मंदिर पूरी तरह जलमग्न हो गया है। पुराना थावरखेड़ा गाँव, गंगापुर संगम क्षेत्र स्थित परायण मंडप, फट्टरगा गाँव स्थित पशुपालन अस्पताल और महुरा गाँव समेत कई इलाके जलमग्न हो गए हैं।

यादगिरी जिले के वडगेरा तालुका में गुरुसनगी ब्रिज कंपनी बैराज से भीमा नदी में 3.5 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। बाढ़ में फंसे 8 लोगों को सिंदगी अग्निशमन दल ने बचाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया है। भीमा नदी का पानी यादगिरी और रायचूर जिलों के कुछ गाँवों में घुस गया है, जिससे सड़क संपर्क टूट गया है।

दीवाली से पहले प्रशासन और अग्निशमन विभाग ने आतिशबाजी गोदामों का किया निरीक्षण

एजेंसी

उरई : कोंच तहसील में दीवाली से पहले शुक्रवार को प्रशासन और अग्निशमन विभाग ने आतिशबाजी गोदामों के निरीक्षण में विभिन्न कमियां पाई गईं। एसडीएम ज्योति सिंह ने 5 आतिशबाजी गोदामों के लाइसेंस निरस्तीकरण के निर्देश दिए हैं। इन गोदामों में मानकों की अनदेखी की जा रही थी। एसडीएम ज्योति सिंह और सीएफओ अरविंद कुमार ने आतिशबाजी गोदामों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि इन गोदामों में मानकों का पालन नहीं किया जा रहा था। गोदामों में आग से बचाव के इंतजाम नहीं थे और न ही अन्य सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था। एसडीएम ज्योति सिंह ने

5 आतिशबाजी गोदामों के लाइसेंस निरस्तीकरण के निर्देश दिए हैं। इन गोदामों में किसी भी बारूद व्यापारी का गोदाम मानक के अनुरूप नहीं मिला। प्रशासन का कहना है कि इन गोदामों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही थी, जिससे बड़ा हादी हादसा हो सकता है। एसडीएम ज्योति सिंह और सीएफओ ने दीवाली से पहले लगने वाले आतिशबाजी मार्केट के संभावित स्थानों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मार्केट में सुरक्षा व्यवस्था और आग से बचाव के इंतजामों का जायजा लिया। प्रशासन का उद्देश्य दीवाली के दौरान सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखना है।

कानपुर नगर के झुग्गी बस्ती गिराने पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

एजेंसी

प्रयागराज, : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कानपुर नगर के केशवपुर में उस्मानपुर झुग्गी बस्ती के ध्वस्तीकरण पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने राज्य सरकार और कानपुर विकास प्राधिकरण को निर्देश दिया कि सभी झुग्गी वासियों से आवेदन लेकर सरकारी योजना के तहत उनका पुनर्वास करें। तब तक विवादित स्थल पर कोई विकास कार्य या तीसरे पक्ष का हित सृजित नहीं किया जाएगा। यह आदेश न्यायमूर्ति एमसी त्रिपाठी एवं न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता ने प्रीति व 75 अन्य झुग्गी वासियों की याचिका पर दिया है। याचियों के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि

याची पिछले 60 वर्षों से झुग्गी बस्ती में रह रहे हैं। कानपुर विकास प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी ने गत तीन सितम्बर को बस्ती के ध्वस्तीकरण का नोटिस जारी किया है। अधिवक्ता का कहना था कि राज्य सरकार ने वर्ष 2009 में सर्वजन हिताय गरीब मालिकाना हक योजना शुरू की थी। लेकिन इन झुग्गी वासियों को अब तक कोई आवास नहीं मिला है। प्राधिकरण के अधिवक्ता ने कहा कि याचियों को सरकारी योजना के लिए कई बार अवसर दिया जा चुका है। कोर्ट ने कहा प्राधिकरण यह नहीं बता सका कि योजना के लिए कितने लोगों ने आवेदन किया था। कोर्ट ने सभी झुग्गी वासियों को एक माह के भीतर योजना के तहत नियमानुसार आवेदन करने और प्राधिकरण को दो माह में उसका निस्तारण करने का निर्देश दिया है। साथ ही निस्तारण तक किसी भी कार्रवाई पर रोक लगा दी है।

पर्यटकों की पहली पसंद बना मध्य प्रदेश, पिछले साल आए रिकार्ड 13.41 करोड़ पर्यटक

वसुधैव कुटुंबकम को साकार कर रहा म.प्र. का पर्यटन : मुख्यमंत्री

एजेंसी

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश के पर्यटन ने अब अंतरराष्ट्रीय मानकों की बराबरी कर ली है। मध्य प्रदेश का पर्यटन ₹वसुधैव कुटुंबकम₹ की भावना को साकार कर रहा है। प्रदेश में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मध्य प्रदेश पर्यटकों की पहली पसंद बन गया है। पिछले साल तक 13.41 करोड़ पर्यटकों ने मध्य प्रदेश आने का आनंद उठाया। अकेले उज्जैन में सात करोड़ से ज्यादा की संख्या में आध्यात्मिक पर्यटक पहुंचे।

विश्व पर्यटन दिवस (27 सितंबर) की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि मध्य प्रदेश का पर्यटन सतत विकास के सभी मानदंडों को पूरा कर रहा है। प्राकृतिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, ग्रामीण पर्यटन, वन्य जीव पर्यटन के अलावा नए क्षेत्र जैसे खेल पर्यटन, चिकित्सा पर्यटन, जल क्रीड़ा पर्यटन, कृषि पर्यटन, इतिहास बोध कराने वाला

पर्यटन भी लोगों की पसंद बनते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि से मध्य प्रदेश जैसे राज्यों का पर्यटन लगातार बढ़ रहा है। भारत की पूरे विश्व में साख बढ़ी है। वैश्विक पर्यटन बढ़ने से मध्य प्रदेश जैसे राज्यों को लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पर्यटन की गतिविधि को केवल आर्थिक गतिविधि से अलग हटकर सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पर्यावरणीय पुनर्जागरण का माध्यम बनाया है। ₹वोकल फॉर लोकल₹, देखो अपना देश और ट्रिपल टी-टेक्सटाइल टूरिज्म और टेक्नोलॉजी जैसे नई सोच पर्यटन को विकास, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक नवजागरण से जोड़ रहे हैं।

पर्यटकों की बढ़ती संख्या

पिछले पांच साल में मध्य प्रदेश में आने वाले पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2019 में 8.9 करोड़ पर्यटक यहां आए थे। वर्ष 2020 और 2021 में कोविड महामारी के चलते पर्यटन की संख्या वैश्विक स्तर पर यात्रा प्रतिबंधों और स्वास्थ्य संकट (कोविड) के कारण कम हुई लेकिन मध्य प्रदेश लोगों की पहली पसंद बना। वर्ष 2022 में परिस्थितियों के सामान्य होने के साथ ही पर्यटकों की संख्या में सुधार हुआ। इसके बाद 2023 में आशा अनुरूप बढ़कर पर्यटकों की संख्या 11.21 करोड़ और वर्ष 2024 में 13 करोड़ 41 हजार तक पहुंच गई।

वैश्विक धरोहरों का प्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश अब वैश्विक धरोहरों का प्रदेश बन गया है। भारत के 69 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों में से 18 मध्य प्रदेश में है। इनमें खजुराहो के मंदिर समूह, सांची के बौद्ध स्मारक, भीमबेटका जैसे स्थल विश्व भर में भारतीय सभ्यता की गौरव गाथा को अभिव्यक्त कर रहे हैं। वर्तमान में मध्य प्रदेश के तीन स्थल स्थाई सूची में और 15 स्थल अस्थाई सूची में शामिल है। ग्वालियर किला, मांडू, ओरछा, चंदेरी, भेड़ाघाट, लमेटा घाट, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व अशोक शिलालेख स्थल तथा 64 योगिनी मंदिरों की संख्या जैसी धरोहर इस सूची में शामिल है। स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश की प्राकृतिक और ऐतिहासिक विरासत अत्यंत समृद्ध है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश का पर्यटन आज बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने में सक्षम बन गया है। हाल ही में रीवा और ग्वालियर में आयोजित रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में उत्साहपूर्वक निवेशकों ने भाग लिया और रीवा में 3000 करोड़ से ज्यादा और ग्वालियर में 3500 करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव मिले।

पर्यटन अधोसरंचना में सुधार

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन की अधोसंरचना में सुधार करते हुए पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा का शुभारंभ किया है। इंदौर ग्वालियर, जबलपुर, भोपाल, रीवा, सिंगरौली उज्जैन एवं खजुराहो में शुरू हो चुका है। अब सार्वजनिक निजी भागीदारी के तहत निजी ऑपरेटर के सहयोग से राज्य के भीतर हैलीकॉप्टर सेवा संचालन भी जल्दी शुरू होगी। प्रदेश के हवाई अड्डों, हैलीपेड एवं हवाई पट्टियों के बीच निजी ऑपरेटर द्वारा चयनित स्थानों पर हैलीकॉप्टर सेवा प्रदाय की जाएगी। इस सेवा का उद्देश्य प्रमुख शहरों, धार्मिक स्थलों, राष्ट्रीय उद्यानो और पर्यटक स्थलों के मध्य निजी ऑपरेटर के सहयोग से किफायती एवं स्थायी हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराना है। इस सेवा से यात्रियों, पर्यटकों, व्यवसाइयों, निवेशकों एवं प्रदेश के रहवासियों का प्रदेश में आवागमन सुगम हो सकेगा। इससे प्रदेश के प्रमुख व्यापारिक शहरों एवं पर्यटक स्थलों के बीच व्यवसाय एवं पर्यटन गतिविधियों में अभिवृद्धि होगी और रोजगार के नये अवसरों का सृजन भी होगा।

श्रेष्ठता का सम्मान

वर्ष 2025 मध्य प्रदेश पर्यटन के लिए उपलब्धियों का स्वर्णिम अध्याय रहा है। जनवरी में नई दिल्ली में आयोजित हॉस्पिटैलिटी इंडिया अवॉर्ड्स में प्रदेश को ह्यमेलों और त्योहारों को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्यह्व और ह्यप्रचार के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्यह्व का सम्मान मिला।

न्यूज IN ब्रीफ

प्रयागराज : घर के अन्दर मृत मिली महिला

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के लूकरगंज मोहल्ले में शुक्रवार रात घर के अन्दर एक वृद्ध महिला का शव पाया गया। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि वह वृद्धा अपने एक विक्षिप्त रिश्तेदार के साथ रहती थी। हालांकि खबर मिलते ही उसके परिवार के लोग बाद में पहुंचे। उसकी मौत का स्पष्ट कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि खुल्दाबाद के लूकरगंज मोहल्ला निवासी नीलम श्रीवास्तव (60) पत्नी स्वर्गीय मुकुन्द बिहारी श्रीवास्तव अपने विक्षिप्त बेटी के साथ रह रही थी। उसकी मौत कब हुई इस संबंध में आस–पास के लोगों को पता नहीं चल पाया। शुक्रवार रात को जब उसके घर से अधिक दुर्गन्ध आने लगी तो पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर उसके मायके वालों से सम्पर्क किया। हालांकि खबर मिलते ही महिला के मायके वाले धूमनगंज थाना क्षेत्र से पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उसकी मौत का स्पष्ट कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया जाएगा। हालांकि उसके शरीर पर कोई चोट नहीं दिखाई दे रही है। वह विक्षिप्त बेटी के साथ पति के मौत होने के बाद से अकेले रह रही थी।

झाड़ग्रामः हाथी के हमले में 38 वर्षीय युवक की मौत, क्षेत्र में दहशत

झाड़ग्राम : झाड़ग्राम जिले के मानिकपाड़ा रेंज के रमरोमा जंगल में देर रात हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान लालमोहन महतो (38) के रूप में हुई है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, लालमोहन शुक्रवार शाम जंगल के रास्ते से होकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक एक आवारा हाथी उनके सामने आ गया। हाथी ने अपने सूंड़ में लपेटकर उन्हें पटक दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचे और शव को बरामद कर झाड़ग्राम जिला अस्पताल भेजा। इस हादसे से रमरोमा सहित आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में झारखंड सीमा से तीन हाथी इस इलाके में दाखिल हुए हैं। उन्होंने लोगों से फिलहाल जंगल के रास्ते का उपयोग न करने की अपील की है। वहीं प्रशासन ने मृतक के परिजनों को मुआवजा देने का आश्वासन दिया है।

ब्रिटिश कालीन विद्यालय में स्थापित हुईं विद्यासागर व गुरुदेव की प्रतिमाएं

पश्चिम मिदनापुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के केशीयारी में स्वतंत्रता–पूर्व 1944 में ब्रिटिश शासनकाल के दौरान शिक्षा प्रसार के उद्देश्य से स्थापित फांदाड़ जे.एन.यू. प्राथमिक विद्यालय में दो महान विभूतियों की प्रतिमाएं स्थापित की गईं। विद्यालय प्रांगण में पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर और कविगुरु रवींद्रनाथ ठाकुर की आवक्ष प्रतिमाओं का अनावरण हुआ। कार्यक्रम के दौरान फांदाड़ गदाधर विद्यापीठ के सेवानिवृत्त शिक्षक भानु कुमार दे ने विद्यासागर की प्रतिमा विद्यालय को दान दी। वहीं विद्यालय की ओर से कविगुरु रवींद्रनाथ ठाकुर की प्रतिमा स्थापित की गई। इस अवसर पर केशियाड़ी के बीडीओ हितांशु हालदार, चिकित्सक अंशुमान मिश्र, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सीता हेम्ब्रम, शिक्षक प्रवीर कुमार भट्टाचार्य, बंदना साउ और रासबिहारी दास उपस्थित थे। शिक्षक प्रवीर कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि लंबे समय से विद्यालय में दोनों महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित करने की इच्छा थी, आज वह सपना साकार हुआ।

गोरखपुर में नीट की तैयारी कर रहे छात्र दीपक की हत्या में फरार जुबैर मुठभेड़ में मारा गया

रामपुर : उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में नीट की तैयारी कर रहे छात्र दीपक गुप्ता की हत्या के मामले में फरार चल रहे एक लाख रुपये का इनामी बदमाश मुठभेड़ में मारा गया। इस कार्रवाई में दो पुलिस कर्मी घायल हुए हैं। घटना की जानकारी पर पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। एसपी ने बताया कि एनकाउंटर में मारे गए बदमाश की पहचान रामपुर के शहर कोतवाली मोहल्ला मर्दान खां का जुबैर उर्फ कालिया के रूप में हुई है। वह आठ साल से पशु तस्करी के धंधे में लिप्त था। बीते 15 सितंबर को जुबैर अपने साथियों के साथ गोरखपुर जिले के पिपराइच गांव में चोरी के इरादे से पशुओं को वाहनों में लाद रहा था।। इस दौरान लोगों की नींद खुल गई और तस्करों पकड़ने के लिए दौड़े। उनका पीछा कर रहे छात्र दीपक गुप्ता को तस्करों ने डीसीएम में पकड़कर बैठा लिया। गांव से कुछ दूर ले जाकर उसे फेक दिया था। सिर पर चोट लगने से छात्र की मौत हो गई थी। इस घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने पकड़े गए एक तस्कर को बहुत मारा। बीच बचाव करने आई पुलिसकर्मी भी ग्रामीणों के आक्रोश के शिकार हुए। इसमें कई लोग चोटिल हुए थे। मौके पर पहुंचकर पुलिस अधिकारियों ने मामले को संभाला था। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने 12 लोगों पर मुकदमा दर्ज कर भागे बदमाशों की तलाश कर रही थी। उनमें कुछ बदमाशों पर पर इनाम भी घोषित किया गया था। शुक्रवार रात गोरखपुर एसटीएफ और रामपुर पुलिस को जुबैर की लोकेशन रामपुर इलाके मे मिली थी। मंडी समिति जाने वाली रोड पर पुलिस ने बदमाश की घेराबंदी की तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। इसमें उपनिरीक्षक राहुल जादौन और सिपाही संदीप घायल हो गये। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में जुबैर भी घायल हुआ। पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने जुबैर को मृत घोषित कर दिया एसपी के मुताबिक, जुबैर के खिलाफ गोरखपुर, बलरामपुर समेत कई जिलों के थानों में 17 मुकदमे दर्ज हैं । बलरामपुर में पहला मुकदमा 2024 में दर्ज हुआ था। उसके भाईयों में उबैद पर 24, जैद 6 और सालिब उर्फ तालिब आठ केस दर्ज हैं।

मप्रः जिला मुख्यालय पर आज से दो दिवसीय दिव्यांगजन चिन्हांकन शिविर का आयोजन

भोपाल : मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सेवा पखवाड़े के अंतर्गत सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग द्वारा सभी जिला मुख्यालय पर आज से दो दिवसीय दिव्यांगजन चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। दिव्यांगजनों के सर्वांगीण विकास एवं सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में शिविर में दिव्यांगों को 2 अक्टूबर तक उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरणों का वितरण किया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि जिला मुख्यालयों पर शिविर में दिव्यांगजनों की आवश्यकता के अनुरूप विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण जैसे श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर, ट्राईसाइकिल, बैसाखी, कृत्रिम अंग आदि का नि:शुल्क वितरण किया जाएगा। राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को सक्षम बनाकर उनके आत्मनिर्भरता एवं सम्मानजनक जीवन को प्रोत्साहन देना है। उपकरण वितरण से दिव्यांगजन शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक गतिविधियों में अधिक सशक्त रूप से भाग ले सकेंगे। शिविर में जन–प्रतिनिधि, जिला प्रशासन, सामाजिक संस्थाएँ एवं स्थानीय नागरिक और दिव्यांगजन उपस्थित रहेंगे।

परीक्षा केंद्रों पर अब निगरानी करेंगे अधिक कार्मिक

जयपुर : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन विशेषकर युवाओं के भविष्य को सुरक्षित और सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। राज्य में होने वाली सभी प्रतियोगी परीक्षाओं को गंभीरता, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ आयोजित करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। राजस्थान लोक सेवा आयोग एवं राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए परीक्षा के दिन से पूर्व एवं परीक्षा के दिन के बाद तीन परीक्षा केंद्रों पर एक उप समन्वयक लगाए जाने एवं परीक्षा के दिन के लिए दो परीक्षा केंद्रों पर एक उप समन्वयक लगाने तथा यदि परीक्षा दो पारी में आयोजित होती है तो परीक्षा के दिन के लिए दो परीक्षा केंद्रों पर दो उप समन्वयक लगाए जाने की वित्त विभाग ने सहमति प्रदान की है। वित्त विभाग की ओर से जारी आदेशों के अनुसार आमजन के भूमि संबंधी जटिल प्रकरणों के निस्तारण आसानी व तीव्रता से सम्पन्न करने के लिए वित्त विभाग ने डीजीपीएस सिस्टम लागू किया है। इसे मूलरूप देने के लिए राज्य में भू सर्वे एवं सीमा प्रकरणों का जल्द से जल्द निस्तारण करने के लिए वित विभाग ने भू प्रबंधन विभाग को 39 डीजीपीएस मशीने खरीदने के लिए 7 करोड़ 80 लाख रुपए की वित्तीय सहमति प्रदान की है। इसके अलावा राजकीय विभागों में कार्यरत महिलाओं को अपने बच्चों की देखभाल और सुरक्षा को लेकर चिंता न हो ,इसके लिए शिशु पालना गृह स्थापित एवं संचालित किए जाते हैं । शिशु पालना गृह में छह माह से छह वर्ष तक के बच्चों की देखभाल हेतु प्रति 3 बच्चों पर एक सहायिका का प्रावधान है एवं सहायिका का मानदेय 15 हजार रुपये प्रतिमाह रहेगा। अगर बच्चों की संख्या तीन से अधिक होगी तो मानदेय 2500 रुपये प्रतिमाह प्रति बच्चा होगा, जिसकी अधिकतम अधिकतम सीमा 45 हजार रुपये प्रति माह होगी। अब तक अधिकतम मानदेय 40,000 रुपये निर्धारित था। मुख्यमंत्री के निर्देशन में प्रदेश के दिव्यांगजनों को संबल बनाने के लिए सेवा पखवाड़ा- 2025 के दौरान कृत्रिम अंगों एवं सहायक उपकरणों के वितरण के लिए वित्त विभाग ने विशेष योग्यजन विभाग को 15 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि उपलब्ध कराने के लिए सहमति प्रदान की है।

स्काउट मास्टर व गाइड कैप्टेन विगनर्स कोर्स प्रशिक्षण शिविर संपन्न

संवाददाता

दुमकाः जिला शिक्षा पदाधिकारी, सह जिला आयुक्त भारत स्काउट्स एवं गाइड्स दुमका भूतनाथ रजवार के निदेर्शानुसार भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के तत्वावधान में दुमका जिला के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं के लिए शुक्रवार को प्लस टू जिला स्कूल, दुमका के प्रशाल में एक दिवसीय स्काउट मास्टर एवं गाइड कैप्टेन विगनर्स कोर्स प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 30 शिक्षक शिक्षिकाओं ने भाग लिया।प्रशिक्षण शिविर में शामिल प्रतिभागियों को विद्यालय में स्वागत एवं सम्बोधित करते हुए प्लस टू जिला स्कूल,दुमका के प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस ने कहा कि स्काउटिंग एवं गाइडिंग युवाओं के सम्पूर्ण शारीरिक, बौद्धिक, भावात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक पहलुओं को व्यक्तिगत और जिम्मेवार नागरिक के रूप में विकसित करनेवाला

एक विश्वव्यापी आंदोलन है। श्री राजहंस ने कहा कि स्काउटिंग का प्लेटफार्म युवा सशक्तिकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वरीय शिक्षक निवास रजक ने कहा कि स्काउटिंग का प्रशिक्षण युवाओं में जीवनपर्यन्त मूल्य और कौशल का विकास कर उनको एक सक्रिय एवं सशक्त नागरिक बनाता है। श्री निवास ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए सभी विद्यालयों में स्काउट्स एवं गाइड्स दल का गठन अवश्य होनी चाहिए। प्रशिक्षण में शामिल सभी प्रतिभागियो को संबोधित करते हुए वरीय शिक्षक संजय कुमार सिन्हा ने कहा कि युवा स्काउटिंग एवं गाइडिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर राष्ट्र एवं समाज के प्रति समर्पित भाव से कार्य करते हैं। शिक्षक प्रकाश कुमार घोष ने कहा कि स्काउटिंग एवं गाइडिंग के चार स्तम्भ चरित्र एवं कार्यकुशलता, स्वास्थ्य एवं बल,हस्तकला एवं कौशल,तथा सेवा भावना युवाओं को एक सशक्त नागरिक बनाकर उनके सर्वांगीण विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।प्रशिक्षण शिविर के शिविर प्रधान सह जिला सचिव विजय कुमार दूबे ने बताया कि विगनर्स

कोर्स प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को स्काउटिंग एवं गाइडिंग की इतिहास, नियम, प्रतिज्ञा,यूनिट आरम्भ करने के नियम, चिन्ह, हाथ मिलाना,दल का गठन एवं स्काउट एवं गाइड के गणवेश के बारे में जानकारी दी गई ।शिविर प्रधान श्री दूबे ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के विकास में ग्रुप लीडर एवं यूनिट लीडर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।कहा कि स्काउटिंग एवं गाइडिंग प्रत्येक युवा का एक अधिकार है अतः हमारा कर्तव्य है कि स्काउटिंग गाइडिंग को एक विश्वव्यापी जन आंदोलन बनाने में हमसभी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार ने कहा कि स्काउटिंग एवं गाइडिंग में स्काउट्स एवं गाइड्स को व्यवसायिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है ताकि स्काउट्स एवं गाइड्स समाज एवं राष्ट्र की सेवा करते हुए अपने जीवन को भी खुशहाल बनाए। सहायक स्काउट मास्टर अनुराग नन्दन ने कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स आपदा के समय भी सेवा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। शिविर प्रधान विजय कुमार दूबे एवं सहायक स्काउट मास्टर सह सहायक शिविर प्रधान अनुराग नन्दन ने स्काउट गाइड के जन्मदाता, टोली एवं दल के गठन,दल का बैठक एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के ध्वज के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव विजय कुमार दूबे एवं धन्यवाद ज्ञापन जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार ने किया।प्रशिक्षण शिविर में भारत स्काउट एवं गाइड के वरीय सदस्य शम्भूनाथ मिश्रा,शिक्षक विद्यासुन्दर नन्दी,तारकेश्वर साह, लक्खी टुडू, अजीत चौधरी,स्नेहलता मुर्मू,शैलेश मिश्रा,सीनियर स्काउट हरिमोहन, अनुराग कुमार साह एवं विशाल चौरासिया के अलावा दुमका जिला के कई विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिका उपस्थित थे।

आधुनिक तकनीक से मछली पालन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

संवाददाता

जमशेदपुर : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, केंद्रीय मत्स्यिकी शिक्षा संस्थान, कोलकाता द्वारा तीन दिवसीय आदिवासी उपयोजना अंतर्गत मीठे पानी में आधुनिक तकनीक से मछली पालन विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण मत्स्य विभाग, पूर्वी सिंहभूम के सहयोग से जमशेदपुर में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में डॉ दिलीप कुमार सिंह, मत्स्य वैज्ञानिक, केंद्रीय मत्स्यिकी शिक्षा संस्थान ने विभिन्न तकनीकी विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।

इनमें मिश्रित मछली पालन, मिट्टी एवं जल की गुणवत्ता, मत्स्य आहार, मत्स्य रोग प्रबंधन, आहार देने की रणनीति, समेकित मत्स्य पालन तथा तालाब निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे। इस प्रशिक्षण का संचालन जिला मत्स्य पदाधिकारी अलका पन्ना, सहायक मत्स्य प्रसार पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार वर्मा ने किया। जिले के 30 अनुसूचित जनजाति मत्स्य कृषकों ने इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया और आधुनिक तकनीकों की बारीकियों को समझा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को फिश फीड, फिश अंगुलिका तथा प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध करायी गयी। जिला मत्स्य पदाधिकारी अलका पन्ना ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से आदिवासी मत्स्य कृषकों की आजीविका में सुधार लाना और जिले में मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने का प्रयास है।

देश में विश्व स्तरीय फूड एक्सपो 2025 कार्यक्रम- प्रदर्शन

झारखंड ने दर्ज करायी अपनी शानदार और जानदार उपलब्धि

विनय मिश्रा

नई दिल्ली में आयोजित देश में विश्व स्तरीय फूड एक्सपो 2025 के अंतर्गत कार्यक्रम और समारोह में झारखंड ने अपनी दमदार और शानदार उपस्थिति दर्ज कराई । इस अवसर पर झारखंड के उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव उद्योग निदेशक विशाल सागर के अलावेअन्य अतिथि और नाम चीन लोगों ने इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर झारखंड की गौरवशाली उपस्थिति दर्ज करायी उद्योग विभाग ने इस विश्व स्तरीय फूड एक्सपो कार्यक्रम में झारखंड के स्वादिष्ट व्यंजन और प्रचलित व्यंजन के बारे में जानकारी के साथ-साथ इसकी खूबियों पर भी व्यापक रूप से प्रकाश डाला साथ ही साथ राज्य के वनोंपज के लिए पहचाने जाने वाला झारखंड के इन उत्पादन के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई इस प्रकार से देश में आयोजित विश्व स्तरीय इस कार्यक्रम में झारखंड की सहभागिता और उपयोगिता दोनों काफी कारगर सिद्ध हुई है इस प्रकार से निश्चित तौर पर झारखंड का मान सम्मान और गौरव भी बड़ा है तथा उद्योग विभाग ने अपने सहभागिता से जानदार उपस्थिति भी दर्ज कराई है देश की राजधानी में आयोजित इस कार्यक्रम और समारोह में झारखंड की सहभागिता भी काफी श्रेष्ठतम रही।

वज्रपात से दो की मौत

जमशेदपुरः पूर्वी सिंहभूम जिले के बोड़ाम प्रखंड के नामशोल गांव में शुक्रवार को बारिश और वज्रपात की वजह से दो लोगों की मृत्यु हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, घटना दोपहर करीब 1 बजे की है जब चक्रधर कुंभकार (50) और प्रभास सिंह (48) अपने गोभी के खेत में काम कर रहे थे। अचानक मौसम बिगड़ गया और तेज वर्षा होने लगी। कुछ ही क्षणों में गरज-चमक के साथ वज्रपात हुआ, जिससे दोनों व्यक्ति खेत में बेहोश होकर गिर पड़े। घटनास्थल पर मौजूद परिवार के सदस्यों ने तुरंत उन्हें खेत से उठाकर नजदीकी चिरूड़ीह नर्सिंग होम पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस दुर्घटना से परिजनों और गांव के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतकों का परिवार बुरी तरह से टूट गया है और पूरे गांव में मातम छाया हुआ है।

दुर्गा पूजा में कचरा के रिसाइक्लिंग पर होगा जोर

जमशेदपुर : दुर्गा पूजा के दौरान काफी अधिक कचरा फैलता है। शहर की साफ-सफाई की जिम्मेदारी संभालने वाली कंपनी टाटा स्टील यूआइएसएल के आंकड़े के मुताबिक, दुर्गा पूजा के दौरान सामान्य दिनों की तुलना में 70 से 80 टन अतिरिक्त कचरा उत्पन्न होता है। विशेष रूप से बाजार क्षेत्रों और पंडालों के आसपास सबसे ज्यादा कचरा फैलता है। विसर्जन के दिन यह आंकड़ा बढ़कर 120 टन अतिरिक्त कचरा तक पहुंच जाता है। इसको लेकर भी अतिरिक्त इंतजाम किये गये हैं। इस वर्ष पूजा के दौरान 60 अतिरिक्त कचरा बकेट लगाये गये हैं, जिनकी क्षमता प्रति बकेट लगभग 1.0 से 1.5 टन है। घाटों से कचरा हटाने के लिए जेसीबी और हाइवा वाहनों की तैनाती की गयी है। बी शिफ्ट में भी सफाईकर्मियों की तैनाती की गयी है, ताकि पंडाल क्षेत्रों की सफाई नियमित रूप से हो सके। कई पूजा पंडालों ने इस बार आरआरआर (रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल) को थीम के रूप में अपनाया है। जेएनएसी के सहयोग से जीरो वेस्ट पंडालों की योजना बनायी गयी है। इसके तहत सूखा और गीला कचरा अलग-अलग डस्टबिन में एकत्र करने की व्यवस्था है। सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से परहेज है। फूलों के कचरे को अलग से एकत्र करने के लिए विशेष वाहन तैनात किये गये हैं, जिन्हें कम्पोस्टिंग यूनिट तक पहुंचाया जायेगा।